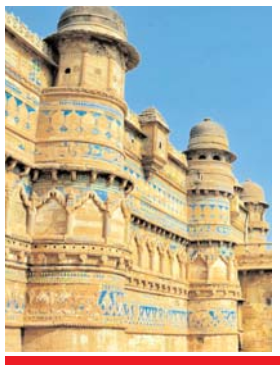

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 292 | ग्वालियर, शनिवार 12 अगस्त 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर सजा-ए-मौत मुकर्रर!

नई दिल्ली। खत्म होंगे अंग्रेजों के जमाने के कानून! खबर संसद से है, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बड़े बदलाव वाले बिल लेकर आए हैं. दरअसल मॉनसून सत्र के आखिरी दिन लोकसभा में बोलते हुए, अमित शाह ने एक साथ तीन विधेयक पेश किए हैं. सरकार इन विधेयकों द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य विधेयक और भारतीय नागरिक सुरक्षा में सुधार की उम्मीद कर रही है। ऐसे में चलिए विस्तार से समझें इन बदलाव के बिल को, साथ ही जानें आखिर क्या है इसके पीछे सरकार की असल मंशा। लोकसभा में विधेयक की पेशकश करते हुए, गृह मंत्री अमित शाह ने लंबा भाषण दिया. उन्होंने इन विधेयक को आज की जरूरत बताते हुए कई महत्वपूर्ण घटनाओं का जिक्र भी किया. इस दौरान अमित शाह ने देश की फिलहाल की आपराधिक न्याय प्रणाली को अंग्रेजों के जमाने का बताया, साथ ही इनमें बड़े बदलाव के संकेत देते हए आज के मुताल्लिक़ न्याय प्रणाली में बदलाव की जरूरत का जिक्र किया. इसी के तहत शाह ने तीनों कानून (इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, इंडियन एविडेंस कोड) में सुधार के लिए विधयकों की पेशकश भी की. अब चलिए शाह द्वारा पेश इन विधेयकों के बाद क्या कुछ तबदीली पेश आएगी, वो समझते हैं। लोकसभा में शाह द्वारा पेश नए विधेयक में नाबालिग से रेप और मॉब लिंचिंग जैसे गंभीर अपराधों पर सजा-ए-मौत मुकर्रर की गई है. दरअसल इन नए विधेयक में मॉब लिंचिंग को जहां हत्या की परिभाषा से जोड़ा गया है, वहीं नाबालिग से

रेप को गंभीर से गंभीर आरोप की क्षेणी में रखते हुए मौत की सजा का प्रावधान किया गया है. मॉब लिंचिंग पर इस पेश विधेयक में स्पष्ट किया गया है कि, जब 5 या 5 से ज्यादा लोगों का एक समूह एकजुट होकर लिंग, जन्म स्थान, भाषा, नस्ल, जाति, समुदाय, व्यक्तिगत विश्वास या किसी अन्य आधार पर हत्या करता है, तो ऐसे समूह को न्यूनतम 7 साल की सजा और अधिकतम मृत्युदंड दिया जा सकता है. वहीं महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराध और तमाम तरहों की सामाजिक समस्याओं में बेहतरी के लिए ये विधेयक बेहद ही कारगर है. इसी लिहाज से इस विधेयक में नाबालिग से रेप के मामले को गंभीर से गंभीर अपराध की क्षेणी में रखते हुए मृत्यु का प्रावधान तय किया गया है. वहीं इसके साथ ही गैंग रेप के सभी मामलों में 20 साल की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है. लोकसभा में इस नए विधेयक को पेश करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक ऐतिहासिक फैसले का जिक्र किया है. अब आरोपी की गैरमौजूदगी से मामले में चल रहे ट्रायल और सजा पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. अब सेशन कोर्ट द्वारा घोषित भगोड़ों की अनुपस्थिति में भी ट्रायल और सजा पर सुनवाई होगी. नए विधेयक के तहत अब किसी भी तरह की हेट स्पीच को भी अपराध माना जाएगा. भड़काऊ भाषण देने वाले अपराधी को तीन साल की सजा या जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान किया गया है. इसके अतिरिक्त किसी भी धार्मिक आयोजन में अगर कोई किसी वर्ग, श्रेणी या अन्य धर्म के खिलाफ हेट स्पीच का उपयोग करता है, तो 5 साल तक की सजा हो सकती है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़े बदलाव का बिल लोकसभा में पेश करते हुए, और भी कई बड़े बदलाव का जिक्र किया है. इनमें ऑनलाइन कोर्ट्स, जीरो एफआईआर रजिस्ट्रेशन, गिरफ्तारी पर आरोपी के परिवार को इत्तला और 180 दिन के अंदर-अंदर जांच को खत्म करना बताया गया है.

2 घंटे 13 मिनट के भाषण में मणिपुर पर सिर्फ 2 मिनट बोले और मजाक उड़ाया

नई दिल्ली। मणिपुर के मुद्दे पर अविश्वास प्रस्ताव गिरने और पीएम मोदी का लोकसभा में भाषण के बाद आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा. राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पीएम मोदी ने अपने 2 घंटे 13 मिनट के भाषण में मणिपुर पर सिर्फ 2 मिनट बात रखी. इन 2 मिनट में भी पीएम हंसकर मणिपुर का मजाक उड़ा रहे थे. राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर का मजाक उड़ाना ठीक नहीं है. राहुल गांधी ने आगे कहा कि भारतीय सेना 2 दिनों में इस पूरी हिंसा को काबू में कर सकती है, लेकिन पीएम नहीं चाहते कि मणिपुर में हिंसा थमे. राहुल ने कहा कि पीएम आग बुझाना ही नहीं चाहते वे तो खुद मणिपुर को जलाना चाहते हैं. प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने अपने मणिपुर दौरे का भी वाक्या सुनाया. उन्होंने कहा कि मणिपुर के कुकी क्षेत्र में जब मैं पहुंचा तो मुझसे कहा गया था कि आपकी सुरक्षा में कोई मैतेई नहीं होना चाहिए. अगर कोई मैतेई होगा तो उसे खत्म कर दिया जाएगा. ठीक उसी तरह जब मैं मैतेई इलाके में पहुंचा तो बताया गया कि आपके साथ कोई कुकी नहीं होना चाहिए वर्ना मैतेई लोग उसे मार देंगे. मणिपुर दो महीन से जल रहा है. भारतीय सेना 2 दिन में हालात ठीक कर सकती है, लेकिन पीएम नहीं चाहते कि मणिपुर की आग बुझे. मणिपुर हिंसा रोकने में मुख्यमंत्री पूरी तरह से नाकाम हैं. इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कहा कि मैं 19 साल से सक्रिय राजनीति में हूं, लेकिन जो मणिपुर में देखा हूं वह पूरे राजनीतिक करियर में नहीं देखा हूं. आज मणिपुर दो हिस्से में बंट गया है.

नूंह में बुलडोजर से कार्रवाई पर कोर्ट में बोली हरियाणा सरकार, नियम के तहत लिया एक्शन

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद राज्य सरकार ने बुलडोजर अभियान चलाया था. इस पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट

ने रोक लगा दी थी. इस मामले में राज्य सरकार ने कोर्ट द्वारा दिए गए नोटिस पर अपना जवाब दे दिया है. सरकार के अनुसार, वह नियम के अनुसार, बुलडोजर की कार्रवाई कर रही है. इस मामले में अगली सुनवाई कब होगी, इसकी तारीख जल्द पता चल जाएगी. हरियाणा सरकार की ओर से अदालत में जो जवाब दिया है, उसमें कहा गया है कि सरकार ने धर्म के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की है. ये सब कुछ नियमों के मुताबिक है. अभी सरकार ने विस्तार से जवाब देने के लिए एक हफ्ते का वक्त मांगा है. इस मामले को अब हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुनवाई करेंगे. गौरतलब है कि नूंह में 31 जुलाई को हिंसा के बाद प्रशासन ने दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की. इस दौरान कई अवैध निर्माण गिरा दिए गए. बीते सोमवार को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने इस कार्रवाई पर तुरंत रोक लगा दी थी. अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि किसी विशेष समुदाय को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया. हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद हालात अब काबू में आने लगे हैं. 11 अगस्त को नूंह में स्कूल दोबारा खोल दिए गए. कुछ सरकारी स्कूलों में बच्चे डर से नहीं पहुंचे हैं. हालांकि प्राइवेट स्कूलों में छात्र-छात्राएं पहुंचे. राज्य में बस सेवाओं को बहाल कर दिया गया है. इसके साथ ही कर्फ्यू में ढील दी गई है.

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक को दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि मलिक का गुर्दे और अन्य बीमारियों का इलाज चल रहा है, इसलिए स्वास्थ्य के आधार पर दो महीने के लिए अंतरिम राहत दी जा रही है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम केवल मेडिकल ग्राउंड पर ही आदेश पारित कर रहे हैं और कुछ नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने मलिक को फरवरी 2022 में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए उनकी याचिका का विरोध नहीं किया। मलिक को ईडी ने अंडरवर्ल्ड संबंधों के साथ संपत्ति के सौदे से जुड़े कथित मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

यूं 350 मीटर घसीटता रहा बेटी की लाश

नई दिल्ली। पहले कत्ल फिर बाइक से घसीटी लाश! खबर बहुत दर्दनाक है. दरअसल पंजाब के अमृतसर से एक दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें एक निहंग अपनी ही बेटी की लाश को बाइक से घसीटता नजर आ रहा है. जब ये पूरी खौफनाक तस्वीर नजदीकी दुकान में लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई, तो फौरन पुलिस को इसकी इत्तला दी गई. मौके पर पुलिस ने पहुंच कर लाश तो बरामद कर ली, मगर आरोपी पिता की तलाश में नाकाम रही।

पुलिस को लाश के जिस्म पर तमाम घाव मौजूद मिले, साफ था कि इस लड़की को बुरी तरह मौत के घाट उतारा गया था. न सिर्फ इतना, बल्कि मौत के बाद भी इसके मरे हुए जिस्म को हैवानियत का शिकार बनाया गया था. इसे कई मीटर यूं ही घसीटा गया और ये सब सनकपन करने वाला था खुद इसका पिता. पुलिस ने फौरन लाश को कब्जे में ले लिया और मामले में तफ्तीश शुरू की. सवाल था कि आखिर क्यों कोई पिता अपनी ही बेटी को इस कदर दर्दनाक मौत देगा। मामले में पुलिस पड़ताल शुरू की गई, मालूम चला की मृतक लड़की का असल नाम सुमनदीप कौर है, जो 20 साल की थी और 12वीं तक पढ़ी थी. दलबीर सिंह उर्फ बाऊ इस लड़की का पिता था, जिसपर इस दर्दनाक वारदात को अंजाम देने का आरोप था. हालांकि पुलिस लंबे वक्त से उसकी तलाश में थी, मगर उसका कुछ अता-पता नहीं था. पुलिस को अंदाजा था कि हो-न-हो वारदात के बाद, पकड़े जाने के डर से आरोपी दलबीर सिंह फरार हो गया था. अब पुलिस इस मामले को लेकर आरोपी दलबीर सिंह के परिवार के पास पहुंची, जहां की गई, मालूम चला की मृतक लड़की का असल नाम सुमनदीप कौर है, जो 20 साल की थी और 12वीं तक पढ़ी थी. दलबीर सिंह

आरोपी दलबीर सिंह ने परिवार वालों को धमकी दी थी कि, अगर कोई उसकी बेटी को बचाने आया तो वो उसे भी जान से मार देगा. आखिर ये हुआ क्यों? इसका जवाब देते हुए आरोपी के पिता जोगिंदर सिंह ने बताया कि, दरअसल बीते बुधवार 20 साल की सुमनदीप कौर बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई थी, जिसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी खूब तलाश की, मगर वो कहीं नहीं मिली. बाद में अचानक वो गुरुवार की दोपहर दोबारा घर लौट आई. आरोपी दलबीर सिंह भी इस वक्त वहीं मौजूद था, लिहाजा अपने बेटी को देख वो गुस्से में भौखला गया. उसकी बेटी पूरे एक दिन तक लापता था, लिहाजा उसे बेटी के चरित्र पर शक होने लगा. ऐले में अपनी बेटी को अपनी दुकान पर ले गया, जिसके बाद वो सीसीटीवी फुटेज सामने आया. पुलिस के मुताबिक, दुकान में ले जाकर दलबीर सिंह ने पहले अपनी बेटी पर किरपान से ताबड़तोड़ वार किए, फिर जब उसकी मौत हो गई तो उसके दोनों पैरों को उसके दुप्पटे से बांध कर बाइक के पीछे लटका दिया. इसके बाद करीब 350 मीटर दूर तक बाजार से होते हुए घसीट कर शव को जाकर फेंक दिया और बाद में फरार हो गया. फिलहाल पुलिस इस मामले में तफ्तीश कर रही है।

आप सांसद राघव चड्ढा राज्यसभा से निलंबित

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आप सांसद राघव चड्ढा को निलंबित कर दिया। चड्ढा के निलंबन की घोषणा करते हुए धनखड़ ने कहा, उनके दुर्व्यवहार, नियमों के उल्लंघन, परिभाषित रवैये और अनुचित आचरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, मुझे लगता है कि नियम 256 के साथ नियम 266 को लागू करने की जरूरत है और राघव चड्ढा को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट मिलने तक सभा की सेवा से निलंबित किया जाना चाहिये। चड्ढा पर पांच सांसदों के फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की जल्द रिहाई को चुनौती पर सुनवाई की स्थगित

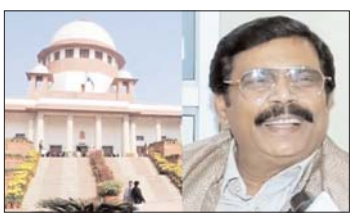

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की समयपूर्व रिहाई को चुनौती देने वाली मारे गए आईएएस अधिकारी जी. कृष्णैया की विधवा की याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय करते हुए कहा, हम इसे सितंबर में किसी भी गैर-विविध दिन पर उठाएंगे। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति कांत 5-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का हिस्सा हैं, जो सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर, 2 अगस्त से लगातार अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान, बिहार सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार ने पीठ को अवगत कराया कि राज्य सरकार ने एक ही दिन में 97 दोषी व्यक्तियों की सजा में छूट पर विचार किया और उसने केवल गैंगस्टर से नेता बने आनंद मोहन को सजा में छूट नहीं दी। इस पर, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने कहा, ÷क्या इन सभी 97 लोगों पर एक लोक सेवक की हत्या का आरोप लगाया गया था। उनका मामला यह है कि उन्हें (आनंद मोहन) रिहा करने के लिए नीति बदल दी गई। जवाब में, कुमार ने कहा कि वह उन दोषियों को वर्गीकृत करते हुए एक विस्तृत प्रतिक्रिया दाखिल करेंगे, जिन्हें उनके अपराध के आधार पर छूट दी गई है। शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार को दो सप्ताह की अवधि के भीतर एक अतिरिक्त जवाबी हलफनामा दायर करने की अनुमति दी। इसने याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर हलफनामा, यदि कोई हो, दाखिल करने के लिए एक सप्ताह की अवधि भी दी। मारे गए नौकरशाह की विधवा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने उन्हें मामले से संबंधित आधिकारिक फाइलों की प्रति नहीं दी है। गौरतलब है कि बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व सांसद को मिली सजा में छूट के संबंध में मूल रिकॉर्ड अदालत के समक्ष पेश किया है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता जी कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया को मामले से संबंधित मूल फाइलों की प्रति प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन करने को कहा। अपने जवाबी हलफनामे में, राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा,÷आम जनता या लोक सेवक की हत्या की सज़ा एक समान है।

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा, कर्मचारियों को प्रबंधन के खिलाफ भड़ास निकालने का अधिकार

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कंपनी के प्रबंधन के साथ समस्याओं का सामना करने वाले कर्मचारियों के लिए भड़ास निकालने के अधिकार पर जोर दिया है। न्यायमूर्ति जी.आर. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने बैंक के प्रशासनिक निर्णयों के संबंध में व्हाट्सएप पर उपहासपूर्ण मैसेज पोस्ट करने को लेकर तमिलनाडु ग्राम बैंक के एक कर्मचारी के खिलाफ आरोप पत्र को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि संगठन में शिकायतें होना स्वाभाविक है और कर्मचारियों को उसे व्यक्त करने की अनुमति देने से उनके दिल को तस्सली होगी और वे अच्छा महसूस करेंगे। हालाँकि, अदालत ने कहा कि यदि प्रबंधन की छवि गंभीर रूप से प्रभावित होती है, तो हस्तक्षेप किया जा सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि इस तरह की अभिव्यक्ति को रोकना विचारों पर नियंत्रण के समान होगा। महत्वपूर्ण टिप्पणी में हाई कोर्ट ने कहा कि आज की डिजिटल रूप से जुड़ी दुनिया में निजी बातचीत पर लागू सिद्धांत सीमित पहुंच वाले एन्क्रिप्टेड वर्चुअल प्लेटफॉर्म के लिए प्रासंगिक हैं। पीठ ने कहा कि बैंक ने सोशल मीडिया पर कर्मचारियों के आचरण को विनियमित करने के लिए 2019 में एक परिपत्र जारी किया था। पीठ ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता ने बैंक के आचरण नियमों का उल्लंघन नहीं किया है और चार्ज मेमो को रद्द कर दिया। याचिकाकर्ता ए. लक्ष्मीनारायण तूतीकोरिन में तमिलनाडु ग्राम बैंक की अरुमुगनेरी शाखा में कार्यालय सहायक के रूप में काम करते हैं। वह एक ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता और बैंक कर्मचारी संघ का पदाधिकारी भी है। उसे अपने आलोचनात्मक व्हाट्सएप मैसेज के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा। याचिकाकर्ता ने अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को हाई कोर्ट की मदुरै बेंच में चुनौती दी थी।

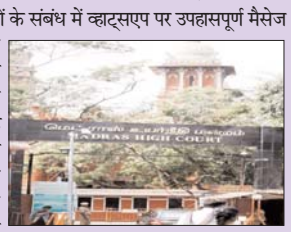

किसान संगठन और खापों ने नूंह हिंसा की जांच की मांग की

गुरुग्राम। हरियाणा में किसान संघों और खाप पंचायतों ने 31 जुलाई को नूंह और गुरुगाम जिलों में हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच की मांग की है। लोगों से भ्रामक वीडियो से बचने की अपील भी की गई है। उन्होंने लोगों से भ्रामक संप्रदाय-आधारित वीडियो से बचने का आग्रह किया है। इसके साथ ही कहा है कि पुलिस को ऐसे वीडियो के बारे में सूचित करना चाहिए और कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस से गौरक्षक मोहित यादव उर्फ मोनू मानेसर को गिरफ्तार करने का भी आग्रह किया है। मोनू मानेसर इस साल की शुरुआत में नासिर और जुनैद की हत्या का मुख्य संदिग्ध है।

नूंह दंगे की निंदा करने के लिए बुधवार को हिसार में

एक महापंचायत बुलाई गई। सभा में खाप पंचायतों, किसान संघों और विभिन्न समुदायों के धार्मिक नेताओं सहित दो हजार लोगों ने भाग लिया। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष सुरेश कोथ ने आईएएनएस को बताया कि हम मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। हम नूंह के लोगों से भी आग्रह करते हैं कि वे भ्रामक सांप्रदायिक वीडियो पर कोई एक्शन ना लें। यदि उन्हें किसी भी चैनल से ऐसे वीडियो मिलते हैं तो उन्हें सबसे पहले जांच एजेंसियों को रिपोर्ट करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जांच पूरी होने के बाद हरियाणा खाप, किसान यूनियन और धार्मिक नेता नूंह का दौरा करेंगे और लोगों से बात करेंगे। दरअसल, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक जुलूस को लोगों के समूहों द्वारा रोकने पर हिंसा भड़क उठी थी। झड़पों में छह लोगों की जान चली गई, जिनमें दो होम गार्ड और एक मौलवी भी शामिल थे। मोनू मानेसर ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें नूंह धार्मिक जुलूस में अपनी भागीदारी का दावा किया था। उसने अपने समर्थकों से नूंह में इकट्ठा होने को भी कहा था। हालांकि, वह खुद जुलूस में शामिल नहीं हुआ था। नूंह में हुई हिंसा के बाद हालात सामान्य हैं। 11 दिन बाद नूंह में स्कूल और बैंक खोल दिए गए हैं। हालांकि, जिले में इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं।

सेक्टर ऑफीसर,बीएलओसुपरवाइजर सहित थाना प्रभारियों की बैठक संपन्न

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर। अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा रिटर्निंग ऑफिसर राजीव समाधिया द्वारा 11अगस्त शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र 26 पिछोर के सेक्टर अधिकारियों बीएलओ सुपरवाइजर सहित पुलिस थाना प्रभारीयों की एक महत्वपूर्ण बैठक एसडीएम कार्यालय में ली गई बैठक में एसडीएम के साथ पिछोर एसडीओपी पुलिस प्रशांत शर्मा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार शिवशंकर सिंह गुर्जर नायब तहसीलदार रामनरेश आर्य, जैन साहब सहित समस्त सेक्टर प्रभारी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि आपको जो मतदान केंद्र आवंटित किए गए हैं उन केंद्रों को पुलिस सेक्टर ऑफिसर के साथ भ्रमण कर उसकी कार्य योजना तैयार करें तथा सेक्टर अधिकारी को 3अगस्त से10 अगस्त 2023 तक प्रत्येक मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान

सूची का जो वाचन कराया गया है, जिसे मृत शिफ्ट एवं रिपीट मतदाताओं में जो नाम काटे गए हैं उनके संबंध में जानकारी प्राप्त है कि नहीं तथा जिस परिवार में अधिक मतदाता है उसका वाचन सत्यापन कर वस्तु स्थिति की जानकारी प्राप्त होनी चाहिए।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा बताया गया कि आपके द्वारा जो मतदान केंद्र की मूलभूत भौतिक सुविधाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई है । उसी के अनुसार एक बार पुनः सत्यापन करें जिससे मतदान केंद्र में पहुंच मार्ग, बिजली, रैंप भवन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त हो सके। इसके साथ साथ ऐसे मतदान केंद्र को भी निगरानी में रखा जाय जहां चुनाव में उपद्रवी या माहौल बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व हो।उनकी भी सूची तैयार रखो।

बीएलओ सुपरवाइजरों को बताया गया कि पूर्व में किसी भी वीआईपी मतदाता का नाम तो मतदाता सूची से नहीं काटा गया यदि ऐसा हुआ हो तो उनके नाम शीघ्र ही सूची में जोड़े। तथा वर्तमान में जो संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है उसमें बीएलओ को निर्देश दें कि वह मतदान केंद्र पर बैठकर ही कार्य करे।

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा के द्वारा शिशुकुंज इंटरनेशनल जूनियर स्कूल में लगाए गए पौधे एवं दांतों का शिविर

लगातार हर कार्य क्षेत्र में अग्रसर रहने वाली संस्था जेसीआई

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। जेसीआई स्वर्णा द्वारा शहर के बीचो बीच स्थित शिशुकुंज स्कूल में छोटे-छोटे बच्चों के साथ में वृक्षारोपण एवं उनके हेल्थ को लेकर दांतों का शिविर लगाया गया जिसमें 100 से अधिक बच्चों का चेकअप किया गया यह शिविर डॉ निधि गुप्ता के द्वारा लगाया गया जिसमें बच्चों को जो समस्याएं होती हैं उनके बारे में जानकारी दी गई और दांतों की देखभाल के बारे में बताया गया एवं छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव शामिल हुई और उन्होंने बताया कि बच्चों को पेड़ लगाने से हमें ऑक्सीजन मिलती है और कई प्रकार की बीमारियां दूर होती है जिसमें स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका तिवारी एवं पूरा स्टाफ मौजूद रहा एवं जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा की प्रेसिडेंट एचजी एफ प्रियंका शिवहरे सचिव जैसी आरती जैन जेसी निशा गोयल जैसी माधवी सोनी जैसी नीतू शिवहरे जेसी नीताश्रीवास्तव जेसी बबीता अग्रवाल जेसी अंशु अग्रवाल एवं जेसीआई की सभी महिलाएं उपस्थित रही अंत में सभी का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया और अंत में सचिव आरती जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कुश कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष बने नारायण सिंह कुशवाहा

पुष्पांजली टुडे

दमोह। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा को कुश कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक शुभकामनाये प्रेषित की।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भारत सिंह कुशवाहा राज्य मंत्री का अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा नें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कुशवाहा समाज मे निरंतर समाज हित मे तत्पर रहकर काम करने वाले नारायण कुशवाहा (विदिशा)को कुश आयोग अध्यक्ष बनने पर बहुत बहुत शुभकामनाये एवं बधाई दी गयी। इस अवसर पर बधाई देने वालो में शिव शंकर कुशवाहा प्रदेश महामंत्री अखिल भारतीय कुशवाहा युवा महासभा, पुरषोत्तम कुशवाहा प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रताप कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा, महेन्द्र कुशवाहा, युवा जिला अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, सेव कुशवाहा, तुलसी राम कुशवाहा, रामेश्वर कुशवाहा एवं कुशवाहा समाज ने बधाइयाँ प्रेषित की ।

हर घर तिरंगा अभियान

स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ निकली तिरंगा रैली

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-हर घर तिरंगा अभियान के तहत गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शिवपुरी शहर में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ तिरंगा रैली निकाली। नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, राज्य मंत्री दर्जा प्रहलाद भारती, जिलाध्यक्ष राजू बाथम ने स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ रैली में भाग लिया। रैली उत्कृष्ट विद्यालय से शुरू हुई। जिसमें उत्कृष्ट विधायक क्रमांक 1, शासकीय विद्यालय क्रमांक 2, शासकीय कन्या विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। रैली में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकायें भी शामिल हुई। स्कूल के प्रांगण में सभी को हर घर तिरंगा अभियान के बारे में बताया गया।

भ्रष्टाचार से त्रस्त आकर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र जैन गोटू ने दिया भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी में भाजपा के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र जैन गोटू ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वे प्रदेश सहसंयोजक व्यापार प्रकोष्ठ के पद पर भी थे। उन्होंने पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पैसे दिए बगैर कोई काम नहीं होता। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी उन्हें चुनाव लड़ने का मौका देगी, वह उस पार्टी की ओर चुनाव लड़ेंगे। दरअसल, करीब 2 महीने पहले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष का कांग्रेस जिलाध्यक्ष को मिठाई खिलाने और माला पहनाने का एक फोटो वायरल हुआ था। तब पार्टी ने उन्हें नोटिस भी दिया था। तब से कयास लगाए जा रहे थे कि वे पार्टी छोड़ने वाले हैं।

आज स्थानीय होटल स्टार गोल्ड में आयोजित प्रेसवार्ता के जरिए भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जीतेन्द्र जैन गोटू ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। प्रेस बार्ता करते हुए उन्होंने बताया है कि वह भाजपा में जारी भ्रष्टाचार से बुरी तरह से त्रस्त आ गए है। जिसके चलते अब वह भाजपा से इस्तीफा दे रहे है। उन्होंने बताया कि आज छोटा से छोटा भोती नामंत्रण भी बिना पैसे दिए नहीं किया जाता जब शिवपुरी की मीडिया ने उनसे कांग्रेस में जाने का सबाल किया तो उन्होने कहा कि अभी वह अपने

कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे है उसके बाद ही वह कोई निर्णय लेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए अपने कार्यकाल में बनबाई अनेक सीसी रोड-आज हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र जैन ने बताया कि वह जब जिला पंचायत अध्यक्ष थे तब वह अपने कार्यकाल में जिले के सभी तहसील और गांव के भ्रमण करते थे और उनके द्वारा जितनी सीसी रोड का निर्माण उनके कार्यकाल में हुआ इतना आज तक किसी के कार्यकाल में नहीं हुआ और वह खाने वाली विधानसभा के लिए तैयारियां जोरों पर कर रहे हैं और लगातार उनके भंडारे चल रहे हैं।

अमृत सरोवर तालाब पर हुआ पौधारोपण, पंचप्राण की ली शपथ

जिला पंचायत अध्यक्ष, डीएफओ और सीईओ ने रोपे पौधे, मेरी माटी मेरा देश अभियान में ग्रामीणों की भागीदारी

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में इस समय मेरा माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को बदरवास जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत झूलना के वेरखेड़ी नाला पर स्थित अमृत सरोवर नवीन तालाब पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बृहद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में यहां पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत पंच प्रण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, डीएफओ सुधांशु यादव, जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी, ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक डॉ.अरविंद भार्गव सहित अन्य अधिकारीगण और ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन मौजूद रहे।

इस मौके पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत झूलना वेरखेड़ी नाला में बनाए गए नवीन अमृत सरोवर

तालाब पर झंडा वंदन किया गया। यहां पर बच्चों के द्वारा तिरंगा यात्रा भी निकाली गई जिसमें बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत की अध्यक्ष नेहा यादव ने ग्रामीणजनों से पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहे सरकार के प्रयासों में आमजन से भागीदारी निभाने की अपील की। इस मौके पर डीएफओ सुधांशु यादव ने भी वन संरक्षण के लिए किया जा रहे अपने विभाग के कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी। जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी ने वेरखेड़ी नाला में बनाए गए नवीन तालाब निर्माण की जानकारी दी और किस तरह से यहां पर इस नवीन तालाब से ग्रामीणजनों को फायदा होगा इसके बारे में बताया। इसके अलावा मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत इस अभियान के बारे में भी ग्रामीणों को बताया गया। इस मौके पर ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव सहित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारीगण और वन विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

तेरह लाख मच्छरदानी बांटेगा स्वास्थ्य विभाग

डेंगू एवं मलेरिया पर नियंत्रण की कवायद, कलेक्टर ने जलभराव वाले स्थलों पर दवा छिड़काव के दिए निर्देश

राकेश परिहार पिछोर

शिवपुरी, स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया एवं डेंगू रोग से बचाव के लिए शिवपुरी जिले में 13 लाख मच्छरदानियां बांटी जाएगी। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने जलभराव वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन कर उनमें दवा का छिड़काव करने तथा स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिवपुरी जिले में मलेरिया के 6 रोगियों को चिन्हांकित किया गया। उसके बाद मलेरिया वर्कर को हाई अलर्ट मोड पर कार्य करने को कहा गया है। जिससे जिले में मलेरिया एवं डेंगू रोग को फैलने से रोका जा सके। जिले में मलेरिया से बचाव के लिए गांव-गांव तक 13 लाख मच्छर दानियों का वितरण किया जाएगा। इसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि मच्छरदानी स्वास्थ्य विभाग द्वारा पांच वर्ष पूर्व बांटी गई थी। कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने मच्छरदानी वितरण कार्य को पहली प्राथमिकता के साथ करने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में दवा छिड़काव करने सहित स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें बच्चों में निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन, रैली का आयोजन प्रमुख है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने बताया कि कलेक्टर शिवपुरी द्वारा मलेरिया से जागरूकता के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जागरूकता रथ जलभराव वाले चिन्हित ग्रामों में ले जाने के साथ वहां दीवार लेखन करने के निर्देश भी जिला मलेरिया अधिकारी डॉ संजय ऋषीश्वर को दिए हैं।

कुपोषित आदिवासी बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराएः कलेक्टर-दस्तक अभियान के तहत चिन्हाकित किए जा रहे कुपोषित आदिवासी बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाए। जो भी कर्मचारी इस काम में लापरवाही बरते उस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर शिवपुरी रवींद्र कुमार चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक के दौरान दस्तक अभियान की समीक्षा करते हुए दिए। कलेक्टर ने कि शिवपुरी जिले के सभी आदिवासी ग्रामों का तीन दिन में सर्वे कर वहां कुपोषित बच्चों का सूचीकरण करें जिसका अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों से वेलिडेशन कराया जाएगा।

सभी मतदान केंद्रों पर भौतिक सुविधाएं सुनिश्चित हो: एसडीएम अजय शर्मा

विधानसभा निर्वाचन को लेकर आयोजित बैठक में एसडीएम ने दिए निर्देश सेक्टर अधिकारी एवं थाना प्रभारियों की संयुक्त बैठक संपन्न

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में करैरा अनुविभागीय अधिकारी अजय शर्मा ने आज तहसील सभागार करेरा में सेक्टर अधिकारी एवं सभी थाना प्रभारियों की संयुक्त बैठक आयोजित कर 310 मतदान केंद्रों की प्रथक प्रथक समीक्षा की। जानकारी के अनुसार अनुविभाग करेरा में 310 मतदान केंद्र हैं जिन्हें 42 सेक्टर में विभाजित किया गया है। सभी 42 सेक्टर अधिकारियों व सभी थाना प्रभारियों की संयुक्त बैठक में (एएमएफ) मतदान केंद्रों की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। जिसमें मतदान केंद्रों की भौतिक स्थिति, भवन, पानी, शौचालय, फर्नीचर, रास्ता, विद्युत व्यवस्था आदि की विस्तार से समीक्षा की। सभी सेक्टर अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्रों का गत दिवस भ्रमण कर मतदाता सूची का वाचन भी किया था, उसी को लेकर एसडीएम अजय शर्मा ने समीक्षा की। उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों से कहा कि कहीं किसी मतदान केंद्रों के नाम में सुधार होना हो तो आप अपनी रिपोर्ट दे सकते हैं। उन्होंने पृथक से सभी थाना प्रभारियों के साथ आयोजित बैठक में बनरेबल एवं क्रिटिकल मतदान केंद्रों की समीक्षा भी की। पिछले चुनाव की जानकारी भी संबंधितो से ली। थाना प्रभारियों ने अपने अपने क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में क्रिटिकल मतदान केंद्रों की जानकारी दी। पिछले उपचुनाव में 107 मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील थे जिनमें मगरोनी के दो वनरेबल मतदान केंद्र क्रमांक 15 एवं 16 की

विस्तार से समीक्षा की। एसडीएम अजय शर्मा ने कहा कि ऐसे मतदान केंद्रों पर प्रभाव डालने वाले व्यक्तियों को बॉन्ड ओवर की कार्रवाई सहित जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी। परंतु जो प्रभावित हो रहे हैं उनको सुरक्षा देकर भय मुक्त मतदान करवाना हमारी और आपकी जवाबदारी है। सेक्टर प्रभारी, थाना प्रभारियों के साथ जाकर प्रभावितों के घर संपर्क कर उन्हें पूर्ण रूप से भय मुक्त करना सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी सेक्टर प्रभारियों से बढ़ाए गए व डिलीट हुए मतदाताओं की जनकारी लेते हुए कहा कि अनुपातिक रूप से नाम कम बड़े है, और भी नाम बढ़ाए जाए। नाम बड़ाने में आधार की अनिवार्यता नहीं है, इसके स्थान पर अन्य दस्तावेज लेकर नाम बड़ाए जा सकते है। जो नाम निरस्त किए गए है, उन्हें विधिवत सूचित भी किया जाए। सभी मतदान केंद्रों पर साफ सफाई, पुताई, फर्नीचर, विद्युत, सहित संलग्न शौचालय को ठीक ढंग से संचालित किया जाना संबंधित भवन प्रभारी सुनिश्चित भी करें। कमी पाए जाने पर सेक्टर प्रभारी अपनी रिपोर्ट में उल्लेख करे। उल्लेखनीय है कि इस बार मतदान केंद्र क्रमांक 120 टोड़ा पवार जो पहले टोरिया खुर्द मे था, नया बनाया गया है। मतदान केंद्र क्रमांक 120 से सभी मतदान केंद्र परिवर्तित हुए हैं। 121 के बाद सभी मतदान केंद्र क्रमांक 1-1 बड़ाए गए हैं। 1 से 120 मतदान केंद्र तक यथावत है। इस दौरान सेक्टर प्रभारियों ब थाना प्रभारियों ने अपने अपने सुझाव भी रखे। बैठक में तहसीलदार करेरा कल्पना शर्मा, तहसीलदार नरवर अमित दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेरा ब्रह्मेंद्र गुप्ता, नगर निरीक्षक करेरा सुरेश शर्मा, नायब तहसीलदार ओ.पी.तिवारी, दृगपाल सिंह बैस, आशीष जैन, निर्वाचन सहायक आनंद जैन, प्रोग्रामर योगेश कुशवाह सहित सभी सेक्टर प्रभारी तथा करेरा, अमोला, दिनारा, सीहोर, नरवर, मगरोनी के थाना प्रभारी भी मौजूद थे।

एक नजर...

अम्बाह एसडीएम अरबिन्द माहौर ने शुक्रबार को कॉन्फ्रेंस हॉल में तहसीलदारों व पटबारी कोटवारों की बैठक ली

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह। एसडीएम अरबिन्द माहौर ने आज तहसील के सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार, व राजस्व निरीक्षक, पटवारी, कोटवारों की बैठक ली और उन्होने कहा राजस्व कार्य भू अर्जन, मुआवजा वितरण, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा निर्वाचन कार्य बाढ़ आपदा पट्टा वितरण कानून व्यवस्था क्षेत्र में कोटवारों के साथ सतत सम्पर्क सभी कर गतिविधियों पर नजर तथा सूचना तंत्र पर नजर रखकर अपना अपना कार्य करे। एसडीएम अरबिन्द माहौर ने कहा कि सभी पटवारी आगामी सप्ताह में अपने हल्का तहसीलों में लंबित अविवाहित नामांतरण बंटवारों के प्रकरणों का निराकरण अभियान के तौर पर करें। तहसील स्तर पर ही सभी पटवारियों को तलब कर उनसे नामांतरण व बंटवारों की रिपोर्ट तलब करें। तहसीलदार अपनी तहसीलों में लंबित सीमांकन के आवेदनों का राजस्व निरीक्षक के माध्यम से तत्काल सीमांकन कराकर राजस्व निरीक्षकों से सीमांकन रिपोर्ट एवं फील्ड बुक प्राप्त कर प्रतिवेदन भिजवाएं। पार्बदित कर पालन प्रतिवेदन भिजवाएं बाढ आपदा निर्वाचन सम्बधी कार्यो में लापरबायी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाबेगी इसके साथ ही अन्य कई निर्देश एसडीएम अम्बाह ने बैठक के दौरान दिए।

पौधे लगाने से होता है पर्यावरण शुद्धः काली चरण तोमर

गोहद। गाँव सार्वा मालनपुर में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चल रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत 50 परिवार को 5 -5 फलदार (आम, अमरूद, संतरा, सीताफल, नींबू) पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में सुर्या फाउंडेशन के वॉइस चैयरमैन श्री हेमंत शर्मा जी कार्यक्रम के अध्यक्ष गोहद जनपद जनपद अध्यक्ष श्री जनमेद सिंह तोमर जनपद सदस्य श्री राम चरन जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सुर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख श्री अशोक कुमार ने कहा ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन द्वारा गाँव के 50 परिवारों में उन्नत किस्म फलदार पौधे वितरण किये जा रहे एव सामान्य पौधों का वितरण सुर्या फाउंडेशन द्वरा चयनित गाँव मे भी किया जा रहा । पौधे के साथ साथ परिवार के मुखिया को संकल्प पत्र भी दिया जा रहा है। जिससे पौधे की सुरक्षा भी परिवार को ही करना है। मुख्य अतिथि श्री हेमंत शर्मा बताया गाँव में लोग फलदार पौधे से रोजगार भी प्राप्त कर सकते हैं। आज जो पौधेआप को सुर्या फाउंडेशन की ओर से दिया जा रहा है जो कम समय मे ही फल देना शुरू कर देगा। आप अपने बाग, बगीचे व खलियानों में फलदार पौधे लगाकर रोजगार से परिवार की आर्थिक मदद भी कर सकते हैं। मुझे देखकर खुशी हुई कि महिलाओं की भी अधिक संख्या पौधा लगाने में रूचि रखती है। मनुष्य को अपने जीवन काल मे प्रत्येक बर्ष एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पौधे हमारी प्रकृति की धरोहर है इसकी सुरक्षा का संकल्प हमें स्वयं लेना चाहये। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों को पूर्व सरपंच जनवेद सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को श्री रवि तिवारी जी ने सभी अतिथियों को पौधे भेंट कर अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधा रोपण भी किया गया। कार्यक्रम में व सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं सुर्या फाउंडेशन कार्यकर्ता श्री राघवेंद्र, आकाश, राजीव महेश कपिल सोनू धर्मेंद्र अनिल आदि उपस्थित रहे।

उद्योग क्षेत्र मालनपुर में ठेकेदार के मैनेजर ने ठेकेदार के साथ 94 लाख रुपए की धोखाधड़ी की

उद्योग क्षेत्र मालनपुर ठेकेदार जी पी अर्जरिया द्वारा प्रेस वार्ता मैं जानकारी देते हुए

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता ग्वालियर

मालनपुर। उद्योग क्षेत्र मालनपुर में उद्योग इकाइयों में मजदूर उपलब्ध कराने वाली फर्म के मैनेजर ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर 94 लाख रुपए की हेरा फेरी करने से उद्योग क्षेत्र में हड़कंप धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ ग्वालियर पुलिस अधीक्षक ने उनको गिरफ्तार करने वालों को 3,3 हजार रुपए की इनाम की घोषणा फिर भी अपराधी फरार मात्र एक अपराधी जेल की दीवारों में बंद सुभाष नगर निवासी गया प्रसाद अर्जरिया जेपी कंस्ट्रक्शन नाम से एक फर्म संचालित करते हैं जो इस फर्म के नाम नोएडा यूपी के साथ-साथ अन्य राज्यों के साथ मध्यप्रदेश के भिंड जिले के उद्योग क्षेत्र मालनपुर में लेबर सप्लाई का काम करते आ रहे हैं परंतु 2007 से इस कंपनी के मैनेजर अमित समाधिया विश्वासी पात्र बना रहा और इसके नीचे काम करने वाले विकास राठौर व एक अन्य का विशेष विश्वास करते रहे परंतु जून माह 2021 में जब जेपी फर्म का पैसा अधिक सैलरी में जाने लगा और बचत की जगह लाखों रुपए की सैलरी होना पाया गया इसको लेकर मैनेजर की ईमानदारी पर शक हुआ तो मासिक सैलरी पत्र की जांच की गई तो अमित समाधिया वह विकास राठौर की गड़बड़ी परत दर परत खुलती गई और मैनेजर अमित समादिया वह विकास राठौर के द्वारा फर्जी खातों जैसे अपने माता पत्नी भाई रिश्तेदारों अपने निजी दोस्तों के परिवारजनों के नाम फर्जी खातों में सैलरी के लगभग 94 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए गए जेपी अर्जरिया लेबर सप्लायर ठेकेदार के होश उड़ गए बाद में पता चला तो अमित समाधिया दिनांक 4/8/ 2022 से ऑफिस का ताला डालकर जरूरतमंद फाइलें कागज हस्ताक्षर युक्त चेक बुक बैंक अकाउंट आफिस से समस्त दस्तावेज ताला डालकर ऑफिस अलमारी की चाबी लेकर फरार हो गए ज्ञात रहे कि अमित समाधिया वह सहयोगी मुनीम विकास राठौर जेपी अर्जरिया पत्नी गायत्री देवी और पुत्र आशीष अर्जरिया के नाम से जेपी कंस्ट्रक्शन नाम से फार्म है जो पार्टनरशिप में फर्म है जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 88162 है जिसका ऑफिस ए, 34सुभाष नगर ग्वालियर में स्थित है जहां से समाधिया एवं राठौर ने कंपनी के मजदूरों का पेमेंट पीएफ ईएसआई का कार्य मालनपुर उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ बैंकों की बैलेंस शीट पेमेंट लिस्ट तैयार करते थे यहां तक कि यही लोग चालान जमा करने का जुम्मा संभाले हुए थे उद्योग क्षेत्र मालनपुर की उद्योग इकाई गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड में 200 एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रेटर नोएडा में 250 लाइट इंडस्ट्री अलवर राजस्थान 25 पीसी कोसमा शॉप मालनपुर 30 स्टाइलिंग एग्रो लिमिटेड मालनपुर 35 लगभग उपरोक्त लिखित कर्मचारियों का काम देखते थे जिसमें अमित पुत्र दुर्गा प्रसाद समाधिया निवासी विनय नगर बिजली घर के पास ग्वालियर 6/5.2007 से कार्य कर रहे थे इसके बाद विकास राठौड़ पुत्र रंजीत सिंह राठौड़ निवासी लाइन नंबर 3 ,164 ए बिरला नगर को सहयोग के लिए रखा गया था दोनों की जुगल जोड़ी ने जेपी कंस्ट्रक्शन को विश्वास में विश्वास घात कर लाखों का चूना लगाकर चंपत हो गए परंतु जेपी अर्जरिया ने भी सच्चाई निकालने के लिए सारे दस्तावेज एकत्रित कर ग्वालियर पुलिस अधीक्षक को जांच हेतु दिए क्यों कि ग्वालियर में जांच कराने का नियमानुसार आफिस कार्य यही का था पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक रवि भदोरिया महाराजपुरा द्वारा जांच कराई जाकर थाना हजीरा ग्वालियर में संतोष सिंह भदोरिया एसआई द्वारा रिपोर्ट दर्ज की गई 3/12 /2022 को 5:00 बजे जिसमें पुलिस जांच के बाद न्यायालय में 4 सीट लगाने के बाद मात्र एक साथी विकास राठौड़ जेल की दीवारों में बंद है शेष हजीरा पुलिस थाने की रिपोर्ट के आधार पर 17 अभियुक्त फरार चल रहे हैं जिन पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के आदेश क्रमांक 353 / 2022 कार्यालय द्वारा सभी लोगों की दो साथियों पर तीन तीन,हजार और अन्य पर एक एक हजार की पकड़ने पर इनाम घोषणा की जा चुकी है परंतु पुलिस के ढुलमुल रवैया से अभी तक इन जेपी अर्जरिया कंट्रक्शन के मैनेजर एवं जिन रिश्तेदारों मामा मामी जीजा दोस्त यारों पत्नियों के नाम फर्जी बैंक खाता खोलकर लाखों रुपए गमन करने वालों को गिरफ्तार नहीं किया गया ग्याप्रसाद अर्जरिया ने बताया है कि कंपनी में काम करने वाले मजदूर का नाम रहता था और अकाउंट नंबर आई एफ एस सी कोड अपने रिश्तेदार नातेदार के नाम पर पैसे डाले जाते थे यह आरोप आवेदक गयाप्रसाद अर्जरिया जे पी ने मालनपुर उद्योग क्षेत्र में ली प्रेस वार्ता पत्रकारों को सारे दस्तावेज देते हुए लगाए और कहा है मेरा 94 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वालों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और उद्योग क्षेत्र मालनपुर में अन्य ठेकेदारों को समझाइश दी जाए कि मेरे साथ जो हुआ अन्य ठेकेदारों के साथ नहीं हो यह उद्योग क्षेत्र मालनपुर में 94 लाख रुपए की हेराफेरी का बड़ा मामला है इसे शीघ्र संज्ञान में पुलिस अधिकारियों को लेना चाहिए।

नशामुक्ति अभियान के तहत थाना कोटर पुलिस की कार्यवाही कार से जप्त की गयी 1,10,000 रुपये की 550 सीसी आनरेक्स कफ सिरफ

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

श्री आशुतोष गुप्ता पुलिस अधीक्षक महोदय सतना के कुशल निर्देशन एवं श्री शिवेश सिंह बघेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय सतना, ख्याति मिला उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सतना के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोटर उनि रविन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में की गयी कार्यवाही। दिनांक 10.08.23 को थाना कोटर को जरिये मुखबिर की सूचना मिली कि एक कार का चालक अवैध रूप से कफ सिरफ बिक्री करने हेतु सतना से टिकुरी तरफ जा रहा है कि सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में टीम गठित कर थाना के सामने स्टॉपर लगाकर चेकिंग प्रारम्भ की गयी दौरान चेकिंग एक कार क्र.19-3452 आती दिखी जो पुलिस बल की चेकिंग को देखकर कार का चालक कार को रोड के एक साइड से उतार कर तेजी से अबेर तरफ भगा जिसका पीछा किया जो रजरवार गाव तरफ भागने लगा जिसका लगातार पीछा कर रजरवार मे रोड के किनारे गाड़ी खड़ी कर भागने का प्रयास किया जिसे हमराही स्टाफ एवं गवाहान के सहयोग से घेराबंदी कर पकड़ा गया तथा नाम पता पूछा जो अपना नाम मानसिंह पिता धीरेन्द्र सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी देवरा बताया एवं उसके कार को चेक किया गया तो कार से 550 सीसी आनरेक्स कफ सिरफ (कीमती करीबन 1,10,000 रुपये की) बरामद हुई जिससे मौके पर ही अवैध आनरेक्स कफ सिरफ घटना में प्रयुक्त कार (कीमती करीबन 4 लाख रुपये कुल कीमती 5,10,000 रुपये को) जप्त कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तारी किया जाकर थाना में अपराध क्र 259/23 धारा 8.21 एन.डी.पी.एस एक्ट 5/13 म.प्र इग्स कट्रोल अधि. 1949 का अपराध आरोपी मानसिंह पिता धीरेन्द्र सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी देवरा थाना कोटर के विरुद्ध पंजीबद्ध किया गया एवं आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। थाना प्रभारी उनि रविन्द्र व्दिवेदी, उनि अजीत सिंह (साइबर सेल) काउनि बृजेन्द्र सिंह तोमर, सउनि बीरेन्द्र चौबे, सउनि रामजियावन रावत प्र. आर विपेन्द्र सिंह (साइबर सेल) देवेन्द्र सिंह प्र. आर. देवेन्द्र सेन, बाबू सिंह, धीरज यादव, राजकुमार गिरी, मिथिलेश व्दिवेदी, देवदत्त व्दिवेदी

श्री आई माताजी भोजनशाला का हुआ शुभारंभ गांव धनला तहसील मारवाड़ जंक्शन जिला पाली

एक वर्ष भोजनशाला के लिए बाबूलाल सोयल ने लिया लाभ

पुष्पांजली टुडे

पाली। धनला गांव में आज शुभ मुहूर्त में श्रीआई माताजी सिरवी समाज भोजनशाला का गणमान्य नागरिकों एवं मंदिर कमेटी के सदस्यों के सानिध्य में सुबह 9:00 सीरवी बाबूलाल पुत्र छजाराम चोयल गांव धनला हाल मुंबई के रहने वाले धनला निवास पर शुभारंभ किया गया। शुभारंभ में समाज की बहनों एवं संतो के घर से बहनों को शुरुआत में भोजन प्रसाद करवाकर शुरूआत की गई। धनला गांव वडेर के सचिव जगदीश सिंह ने बताया कि सीरवी समाज के बड़े बुजुर्ग या बाहर से पधारे हुए केवल सीरवी समाज के लिए निर्धारित समय के अनुसार भोजन मिलेगा तथा बुजुर्ग लोग जो भोजन करने के लिए भोजन शाला नहीं आ सकते उनके लिए टिफिन की व्यवस्था भी है जो उनके घर तक या उनके खेत तक टिफिन भी पहुंचाया जाएगा इस भोजन शाला का संपूर्ण खर्चा 1 वर्ष के लिए सिरवी बाबूलाल छजाराम सोयल की तरफ से देने की घोषणा की गई है । इसके अलावा भी सिरवी समाज का कोई भी नागरिक राशि का सहयोग या कुछ अन्य समान खाद्य सामग्री राशन गेहू, घी, तेल चक्कर सब्जी आदि देना चाहे या ओर कोई भाग्यशाली आगे के खर्च के लिए भी घोषणा कर लाभ ले सकते है। उसके लिए भोजनशाला खुली है आप कोई भी समाज के लोग दे सकते हैं। आप सभी का सहयोग ओर मार्ग दर्शन अति आवश्यक है जो समय समय पर हमे देते रहे। इस पुनित कार्य के लिए श्री योगमाया मंदिर उज्जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामलाल सेंणवा ने आभार व्यक्त किया।

शहीद स्वर्गीय श्री सुधाकर शर्मा जी की मूर्ति का हुआ अनावरण

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर
पुष्पांजलि टुडे

एटा उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ क्लब एटा के तत्वाधान में शहीद स्व. श्री सुधाकर शर्मा जी पूर्व प्रान्तीय महामंत्री की प्रतिमा का हुआ अनावरण व वृक्षारोपण। इस सुअवसर पर जिलाधिकारी एटा श्री अंकित अग्रवाल जी,अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री आलोक कुमार जी प्रान्तीय महामंत्री श्री अरविंद कुमार वर्मा जी,प्रान्तीय संयुक्त मन्त्री श्री अजीत उपाध्याय जी ,प्रान्तीय संगठन मंत्री/जिलाध्यक्ष मेरठ श्री मुकेश कुमार जी ,प्रान्तीय प्रवक्ता श्रीमती नीरू सिंह जी,जोनल अध्यक्ष श्री राजेश कुमार जी,जिलामंत्री मेरठ श्री दीपक कौशिक जी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मेरठ श्री शकील अहमद

जी,सदस्य प्रान्तीय कार्यकारिणी/ जिलाध्यक्ष एटा श्री राजकुमार जी, मंडल मन्त्री श्री राम प्रकाश जी,जिलामंत्री एटा श्री ललित कुमार जी,ऑफिसियल क्लब एटा के अध्यक्ष श्री हरिनन्दन सिंह जी ,मन्त्री श्री एश्वर्य प्रताप सिंह जी एवम कोषाध्यक्ष देव देवेश मौर्य आदि व कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारी साथियों के साथ उपस्थित रहे । हमारे आदर्श कर्मचारी नेता स्व0 सुधाकर शर्मा जी के सुपुत्र श्री वैभव शर्मा जी,श्री वरुण शर्मा जी भतीजे श्री सौरभ शर्मा की उपस्थिति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा । सुधाकर शर्मा अमर रहे । जबतक सूरज चांद रहेगा सुधाकर शर्मा तेरा नाम रहेगा के उदघोष से वातावरण गुंजायमान हो गया ।स्व0 सुधाकर शर्मा जी को कोटि कोटि नमन।

थाना सिंहपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाहीः चरवाहों को बंधक बनाकर लाठी डंडा से मारपीट करने व अवैध कट्टा दिखाकर बकरी लूटने वाले अन्तर्राजीय गिरोह का पर्दाफाश

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना पुलिस द्वारा घटना के खुलासे के लिये पुलिस अधीक्षक श्रीमान आशुतोष गुप्ता ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय सतना के निर्देशन में एसडीओपी महोदय नागौद के मार्गदर्शन में तत्काल अलग–अलग टीमों को लगा कर जिले के सीमावर्ती पुलिस थानों में नाकाबंदी, सभी टोल नाकों को चेक कराया गया, जंगल सर्चिंग की गई, साथ में रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, कटनी एवं पन्ना जिलें में बकरी/बकरा खरीदने वाले व बेचने वालों को चेक कराया गया। एवं घटना दिनांक को छोटे वाहनों की सघन चेकिंग कराई गई । फरियादी रमेश पाल पिता रमसखिया पाल उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम शिवराजपुर का रिपोर्ट किया कि मैं उपरोक्त पते का रहने वाला हूं, बकरिया पालता हूं । ग्राम ढोलबजा में मड्डया बनाकर रहता हूं । दिनांक 05/08/23 शनिवार को सुबह 10.00 बजे करीब अपनी पत्नी राधा पाल के साथ घर से 85 नग छोटी बड़ी बकरा - बकरियां चराने लेकर ग्राम उरदना के ढेडे जंगल तरफ गया था और बकरिया चरा रहा था, कि दोपहर करीब 02.00 बजे तीन चार व्यक्ति हाथ में डंडा कुल्हाडी लिये आये, जिन्हे मै नही पहचानता हूं और वह लोग मेरी बकिरया हांकने लगे, मैनें मना किया तो वे सभी तीन चार लोग मेरे साथ डंडा एवं लात घूसा से मारपीट करने लगे, तब मेरी पत्नी आकर बीच बचाव करने लगी, तो उसे भी धक्का दे दिये, उक्त व्यक्ति मेरी बकरिया हाककर जंगल के अंदर ले गये, तब मैं और मेरी पत्नी गांव में आये और गांव वालों को बताये, तब गांव वाले भी जंगल में ढूंढे, तब मेरी 60 नग बकरा बकरिया मिली, मेरी 25 नग बकरा बकरिया कीमती करीबन 90,000/- रुपये की नही मिली है, मेरी बकरियों को वही तीन - चार लोग चोरी कर ले गये है, बकरियों की तलाश करते रहा, नही मिलने पर आज दिनांक 06/08/23 को थाना रिपोर्ट करने आया हूं, कार्यवाही की जाये। रिपोर्ट पर अपराध क्र.290/23 धारा 382 ता.हि. का कायम कर विवेचना में लिया गया । दौरान विवेचना आरोपीयों की पता तलास किया गया जो आरोपी राजीव उर्फ राजू सेन पिता चूड़ामणि सेन उम्र 35 वर्ष 2.नईम उर्फ शालू खान पिता मो. शरीफ खान उम्र 40 वर्ष,3.राजकुमार वर्मा पिता बाराती लाल वर्मा उम्र 25 वर्ष सभी निवासी कबरई थाना कबरई जिला महोबा को दिनांक 10.08.23 को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया है दौरान विवेचना मामले मे धारा 394,395,394,120 बी ता.हि. व 11/13 एडी एक्ट,25/27 आर्म्स एक्ट का इजाफा किया गया है । आरोपीयों को पेश न्यायालय किया गया है । माननीय न्यायालय से जेल वारंट प्राप्त होने पर आरोपी को केन्द्रीय जेल सतना में दाखिल कराया गया है । मामले के अन्य 04 आरोपी फरार है जिनकी पता तलास की जा रही है । इस तरह सतना जिले के थाना मझगवां, बरौंधा, नागौद, एवं छतरपुर .पन्ना एवं कालिंजर में भी इस तरह के घटना कारित करना पाया गया है। महोबा से चलकर सतना पन्ना बार्डर के डेरा जंगलों के किनारे एवं शहरों के किनारे बनाकर गावो में बकरी रखने वाले स्थान चिन्हित कर रेकी कर एवं चरती हुई बकरियां को जंगल जंगल के अंदर बकरी चराने वाले महिला एवं पुरुषो के ऊपर निगाह रखकर रेकी कर बकरी चोरी करते थे एवं देख लेने पर मारपीट कर जंगलों में फेंक कर बकरी चोरी कर लेते थे । मुख्य सड़क से दूर जंगल की आड़ लेकर सुनसान एवं दूरस्थ स्थान पर डेरा बनाते थे एवं जंगल किनारे लगे गांव घूम कर रेकी करते थे। एवम घटना कारित करने के बाद डेरा समेट कर अन्य स्थानों पर चले जाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम व पता-(1) राजीव उर्फ राजू सेन पिता चूड़ामणि सेन उम्र 35 वर्ष सा.कबरई थाना कबरई जिला महोबा (2) नईम उर्फ शालू खान पिता मो. शरीफ खान उम्र 40 वर्ष सा.कबरई थाना कबरई जिला महोबा (3) राजकुमार वर्मा पिता बाराती लाल वर्मा उम्र 25 वर्ष सा. कबरई थाना कबरई जिला महोबा (1) लाला उर्फ जीजा पिता बड़े खान। (2) धनेलाल खान (3) भईया खान (4) दोदो पिता बडे खान सभी निवासी बम्होरी चरखारी महोबा

जब्त मसरूका- 1.12 नग बकरा बकरी कीमती 36,000 रूपया । 2.घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन 92-8084 कीमती 8,00,000 रूपया । 3.एक नग सेलेरियो कार क्र. 95-1939 कीमती 6,00,000 रूपया 4. 03 नग मोबाइल कीमती 13,000 रूपया 5. 315 बोर देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस कीमती 5,000 रूपये

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी सिंहपुर उप निरी. शैलेन्द्र पटेल एवं उनकी टीम,थाना प्रभारी मझगवां निरी. आदित्य सेन एवं उनकी टीम, थाना प्रभारी नागौद निरी. पंकज शुक्ला एवं उनकी टीम, थाना प्रभारी बरौंधा उप निरी. आशीष धुर्वे एवं उनकी टीम एवं तकनीकी सहयोग उप निरी. अजीत सिंह एवं सउनि दीपेश पटेल

तीन फ़ीसदी आबादी नशे से ग्रसित!

प्रादेशिकी: राज्य में करीब 10 लाख लोग नशे के आदी है। जो राज्य की 3.17 करोड़ आबादी का 3 फीसदी है।

रवि शंकर दुबे

नशे को लेकर अक्सर सवालों के घेरे में रहने वाला पंजाब अब भी वेंटिलेटर पर है, कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि राज्य में लगातार नशीली पदार्थों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है और इसकी रोकथाम के लिए सरकार कुछ बड़ा करती दिख नहीं रही हैं। अभी फिलहाल राज्य में 208 नशा मुक्ति केंद्र हैं, जबकि 16 सेंटर जेलों में चल रहे हैं। गृह विभाग ने स्वास्थ्य विभाग को नशा मुक्ति केंद्रों को बढ़ाने के लिए कहा है।

खुशियों में भीगी संस्कृति, रंगों में सराबोर लोगों के मिजाज और हरी-भरी फसलें पंजाब को भारत का बेहद खूबसूरत राज्य बनाती है। लेकिन एक दूसरा पहलू है नशा... जिससे यहां की सुंदरता फीकी पड़ने लगती है।आरोप है कि इस खूबसूरती को ग्रहण लगाने के पीछे कुछ तथाकथित राजनेता, पुलिस और स्मगलर्स का गठजोड़ है, जिनके कारण इस प्रदेश का युवा वर्ग नशे में इस कदर फंसा हुआ है कि उसे निकालने का कोई उपाय दिखाई नहीं देता। अलग-अलग अखबारों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2022 से अब तक नशे के कारण पंजाब में 272 लोगों की जान जा चुकी हैं, इनमें वो मौतें शामिल हैं जो अस्पतालों में हुई या फिर सार्वजनिक की गईं। इसके अलावा एनसीआरबी रिपोर्ट पर गौर करेंगे तो साल 2017 से लेकर 2021 तक यानी चार साल में 272 मौतें नशे के कारण हुई हैं।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह ने इसी साल 22 मार्च को विधानसभा में एक जवाब दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य में करीब 10 लाख लोग नशे के आदी है। जो राज्य की 3.17 करोड़ आबादी का 3 फीसदी है।बलबीर सिंह ने बताया था कि "लगभग 2.62 लाख नशे में लिप्त लोग सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में इलाज करा रहे हैं, जबकि निजी पुनर्वास केंद्र कम से कम

6.12 लाख नशा करने वालों का घर हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या कहीं अधिक है। राज्य में 528 आउट पेशेंट ओपिओइड असिस्टेंड ट्रीटमेंट यानी ओओएटी केंद्र, 36 सरकारी नशा मुक्ति केंद्र, 185 निजी, 19 सरकारी पुनर्वास और 74 निजी होने के बावजूद नशे की लत की संख्या में कमी नहीं आ रही है। बल्कि, नशे की लत की संख्या बढ़ रही है।''

इन आंकड़ों में सबसे बड़ी समस्या ये है कि राज्य की 3 फीसदी आबादी इससे ग्रसित है और उसमें भी 30 साल से कम युवाओं पर नशे का ज्यादा असर है। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री ये भी कह देते हैं कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं।

पंजाब में नशा खत्म क्यों नहीं होता और ये कहां से आता है, तो इसका जवाब बीबीसी के साथ एक इंटरव्यू में ड्रग मामलों के जानकार डॉ रंजीत सिंह घुम्मन देते हैं। रंजीत बताते हैं कि पंजाब में नशे का सबसे बड़ा सोर्स इंटरनेशन है। जिसे गोल्डन क्रेसेंट कहा जाता है। इस गोल्डन क्रेसेंट में सबसे बड़ी खेप हमारे पड़ोसी देशों जैसे ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आती है, और पूरे देश में ये पाकिस्तान के रास्ते ही सप्लाई किया जाता है। इसके अलावा कुछ ऐसे राज्य हैं, जहां समुद्र के रास्ते नशा भेजा जाता है, जैसे गुजरात। तो यहां से भी पंजाब में खूब नशा आता है। फिर बचते हैं पंजाब की सीमा से लगे पड़ोसी राज्य, जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा और राजस्थान...। ये राज्य भी पंजाब में नशा भिजवाने में कसर नहीं छोड़ते। अब अगर ये राज्य नशा न भी भेजें तो पंजाब के अंदर ही गैर कानूनी ढंग से सिंथेटिक ड्रग प्रोड्यूस किया जाता है।

अब सवाल ये पैदा होता है कि इस नशा तस्करी को कम क्यों नहीं किया जा रहा है, तो इसका जवाब यही है कि पंजाब में इसकी डिमांड बहुत है और जो सप्लाई चेन है वो नहीं टूट पाती।

ऐसी कई रिपोर्ट सामने आईं हैं कि इस चेन में कुछ भ्रष्ट पुलिस कर्मी, राजनीतिक लोगों और स्मगलर्स की मोजूदगी है।इसके बाद सवाल यहां ये भी उठता है कि जब नशा इतना ज्यादा है तो सरकारें कुछ करती क्यों नहीं? तो इसका जवाब मोटे तौर पर ऐसे होगा कि पंजाब विधानसभा सत्र में स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा था कि हम इसे रोकने के लिए 102 रुपये खर्च कर रहे हैं और नशा मुक्ति केंद्र की संख्या में भी इज़ाफा हो रहा है।

इसके अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नशे को रोकने के लिए एसटीएफ का गठन भी किया था, जिसके साथ वो अक्सर बैठकें करते रहते हैं।

(शेष बॉलीवुड पेज पर)

अगर मकसद पूरा हो

जज भी नियमों और पारदर्शिता संबंधी अपेक्षाओं से बंधे रहें, यह जरूरी है। लेकिन इसके लिए ऐसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए, जिनसे यह मकसद सचमुच पूरा होता हो। संपत्ति की सूचना सार्वजनिक करना इस दिशा में सिर्फ एक उपाय है।

सार्वजनिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के बारे में पारदर्शिता के जितने उपाय हों, वे अपेक्षित हैं। लेकिन साथ-साथ यह भी विचारणीय है कि जिन तरह के उपायों की बात होती है, उनका अन्य मामलों में क्या अनुभव रहा है। मसलन, एक समय यह मांग पुरजोर ढंग से उठती थी कि नेताओं की संपत्ति और उनके आपराधिक रिकॉर्ड का ब्योरा जनता के सामने आना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने अपनी पहल पर चुनाव लड़ने के समय इन दोनों मामलों में हलफनामा दायर करना अनिवार्य कर दिया। उससे अब यह सामने आता रहता है कि किस नेता के पास कितनी संपत्ति है और उसके सार्वजनिक पद पर रहने के दौरान उसमें कितनी बढ़ोतरी हुई। लेकिन क्या इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में सचमुच मदद मिली है? या इस प्रश्न को ऐसे भी पूछा जा सकता है कि क्या इससे वो मकसद पूरा हुआ है, जिसके लिए यह मांग उठाई जाती थी? ये सवाल जजों के बारे में भी बने रहेंगे। ताजा संदर्भ यह है कि एक संसदीय समिति ने कहा है कि जजों की संपत्ति की घोषणा को अनिवार्य बनाने के लिए कानून लाया जाना चाहिए।

अदालतों ने 2009 में जजों की संपत्ति की घोषणा का संकल्प लिया था, लेकिन बहुत कम जज इस संकल्प का पालन करते हैं। संसद की कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी समिति ने अपनी 133वीं रिपोर्ट में न्यायपालिका से संबंधित कई मामलों पर अपने विचार सामने रखे हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट और देश के सभी हाई कोर्ट के जजों की संपत्ति की सूचना सार्वजनिक किये जाने का मामला भी शामिल है। यहां इस बात का जरूर उल्लेख होना चाहिए कि भ्रष्टाचार जारी रहने का एक बड़ा कारण बेनामी संपत्ति और हवाला के जरिए पैसा विदेश भेज कर वहां निवेश की सुविधा देने का चलन भी है। जब भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों इस माध्यम से पैसा बनाने के इल्जाम लगते हैं, तो यह बात जजों के मामले में भी सामने आ सकती है।

अपनी बात
संपादकीय

पाकिस्तान का फर्जी लोकतंत्र

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली भंग हो गई है, लेकिन इस समय वहां का सियासी माहौल इतना मटमैला हो गया है कि उसके बीच नए आम चुनाव की बात सिर्फ एक ड्रामा या उससे भी ज्यादा एक फर्जीवाड़ा मालूम पड़ती है।

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली भंग होने के बाद 90 दिन के अंदर आम चुनाव कराना अनिवार्य है, लेकिन शहबाज शरीफ सरकार के मंत्री खुलेआम बयान दे रहे हैं कि इस बार संभवतः ऐसा करना संभव ना हो। इसी बीच अमेरिका की एक वेबसाइट ने उस गुप्त संदेश का मजमून प्रकाशित कर दिया है, जिससे साफ होता है कि पिछले साल इमरान खान की सरकार को गिराने में अमेरिका ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। अभी जबकि खान प्रधानमंत्री थे, तभी उन्होंने वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तानी राजदूत से ऐसा संदेश मिलने की बात उठाई थी। तब से वे लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी सरकार अमेरिकी इशारे पर पाकिस्तान की सेना और खुफिया तंत्र ने गिराई। अब उस संदेश को द इंटरसेप्ट नाम की वेबसाइट ने प्रकाशित किया है।

इन सारे संदर्भों के कारण पाकिस्तान का सियासी माहौल इतना मटमैला हो गया है कि उसके बीच आम चुनाव की बात सिर्फ एक ड्रामा या उससे भी ज्यादा फर्जीवाड़ा मालूम पड़ती है। आखिरकार नेशनल असेंबली के भंग होने से ठीक पहले इमरान खान को चुनावी मैदान से हटाने का ऐसा न्यायिक तरीका अपनाया गया, जिसकी साख सिरे से संदिग्ध है। निर्विवाद रूप से देश के सबसे लोकप्रिय नेता खान को बतौर प्रधानमंत्री मिले उपहार को सरकारी खजाने में जमा ना कराने के कथित मामले में दोषी ठहरा कर जेल भेजा जा चुका है। साथ ही उनके पांच साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जा चुकी है। इसके बाद चुनाव में कोई मुकाबला ही नहीं बचा है। हालांकि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हों, तो संभव है कि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का बचा-खुचा हिस्सा चुनाव लड़े और दुनिया को चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिलें। लेकिन वह अगर बहुत बड़ा है। फिलहाल, संभावना यही है कि जब कभी चुनाव हुए, उनसे सेना और खुफिया तंत्र द्वारा मैनेज किए हुए नतीजे सामने आएंगे।

समाचार विश्लेषण :

महंगा टमाटर: कैसे चल रही है रसोई

टमाटर के दाम आम तौर पर जुलाई से लेकर अगस्त और अक्टूबर-नवंबर के दौरान बढ़ जाते हैं, क्योंकि ये कम उत्पादन वाले महीने होते हैं। इस बार किसानों को दाम बहुत कम मिला, इसलिए कई जगहों पर किसानों ने खेत से टमाटर को उठाना छोड़ दिया।

टमाटर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है और भारतीय खानों में इसका खूब इस्तेमाल होता है लेकिन इसके बढ़ते दाम ने ना केवल खाने का जायका खराब किया है बल्कि बजट भी बिगाड़ा है। नोएडा की एक हाउसिंग सोसायटी में घरेलू सहायिका का काम करने वाली काजल कुमारी जब सब्जी खरीदने जाती हैं तो टमाटर की तरफ देखती भी नहीं है। कारण है इसकी ऊंची कीमत। काजल कहती हैं, हम जैसे गरीब लोग 200 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर नहीं खरीद सकते हैं और अगर टमाटर खरीद लेंगे तो कोई और सब्जी नहीं खरीद पाएंगे।

काजल के पति नोएडा की एक कपड़ा फैक्ट्री में सुपरवाइजर है और उनका एक बेटा है। काजल तीन घरों में काम करती है और महीने में करीब नौ हजार रुपये कमाती हैं। वह कहती हैं, हमें और मेरे पति दोनों मिलकर काम नहीं करेंगे तो घर चलाना मुश्किल होगा। घर का किराया, स्कूल की फीस, दवा और राशन भी इसी पैसे से आते हैं। ऊपर से बढ़ती महंगाई हमें बहुत परेशान करती है। एक समय था जब टमाटर और प्याज की चटनी बनाकर खुशी खुशी दाल चावल के साथ खा लिया करते थे। अब वह भी मुश्किल है।

पिछले छह से आठ हफ्तों से भारत के कई शहरों में टमाटर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और अधिकांश शहरों में लोग 250 से 300 रुपये प्रति किलो टमाटर खरीद रहे हैं। हालांकि कीमतों में अब थोड़ी नरमी आई है। लोग अब किलो की जगह ढाई सौ ग्राम खरीद कर किसी तरह से काम चला रहे हैं।

कुछ महिलाओं ने खाने में टमाटर का इस्तेमाल बंद कर दिया है और अन्य विकल्पों का सहारा लिया है, जैसे कि टमेटो प्यूरी और दही। दिल्ली की रहने वाली गृहिणी नीना चावला कहती हैं कि उन्हें महंगे टमाटर से कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि उन्होंने उसे खरीदना ही बंद कर दिया है।

टमाटर के दाम आम तौर पर जुलाई से लेकर अगस्त और अक्टूबर-नवंबर के दौरान बढ़ जाते हैं क्योंकि ये कम उत्पादन वाले महीने होते हैं। रूरल वॉयस के एडिटर इन चीफ हरवीर सिंह कहते हैं जब टमाटर की फसल फरवरी-मार्च में आई तो किसान को दाम बहुत कम मिला, कई जगह किसानों को चार से छह रुपये प्रति किलो दाम मिल रहा था, उस समय बहुत जगहों पर किसानों ने खेत से टमाटर को उठाना छोड़ दिया।

हरवीर सिंह कहते हैं, ₹टमाटर को खेत से उठाने का काम हाथों से होता है और यह एक खर्चीला काम है, उसके बाद इसे मंडी में ले जाया जाता है, उसका किराया अलग होता है। किसानों को वहां दाम नहीं मिल रहा था। कई जगह मंडियों में एक केरट की कीमत 200 रुपये तक जा रही थी। उस समय किसानों ने टमाटर को खेत में ही छोड़ दिया, जिस वजह से टमाटर की सप्लाई कम हो गई।

दक्षिण के राज्य कर्नाटक के कोल्लार में भी टमाटर की पैदावर अच्छी होती है लेकिन वहां इस बार बारिश नहीं हुई और जब जुलाई में बहुत ज्यादा बारिश हुई तो वहां ठीक से धूप नहीं आई। इस वजह से फसल को नुकसान हुआ। *(साभार-डीडब्ल्यू)*

मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के सैनिकों के खलिाफ़ काम में बाधा डालने, चोट पहुँचाने की धमकी देने और गलत तरीके से रोकने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है।असम राइफल्स की 9वीं बटालियन के सुरक्षा कर्मियों के खलिाफ़ ये एफआईआर विष्णुपुर जलि के फोउगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है।एफआईआर में कहा गया है कि नौ असम राइफल्स के सैनिकों ने मणिपुर पुलिस के कर्मियों को अपना काम करने से रोका और कथित कुकी उग्रवादियों को सुरक्षित क्षेत्र में भागने का मौका दिया। असम राइफल्स की भूमिका पर उठते सवालों का भारतीय सेना ने खंडन किया है।

मणिपुर पुलिस बनाम असम राइफ़ल्स का मामला क्या?

राघवेंद्र राव

मणिपुर में पिछले तीन महीने से ज़्यादा से चल रही जातीय हिंसा के बीच राज्य में तैनात सुरक्षा बलों के बीच ज़मीनी स्तर पर हो रहे मतभेद और तनाव खुल कर सामने आ गए हैं।ताज़ा घटनाक्रम में मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के सैनिकों के ख़लिाफ़ काम में बाधा डालने, चोट पहुँचाने की धमकी देने और ग़लत तरीक़े से रोकने की धाराओं के तहत एफ़आईआर दर्ज की है।

असम राइफल्स की 9वीं बटालियन के सुरक्षा कर्मियों के ख़लिाफ़ ये एफ़आईआर विष्णुपुर ज़लि के फोउगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है।एफ़आईआर में कहा गया है कि नौ असम राइफ़ल्स के सैनिकों ने मणिपुर पुलिस के कर्मियों को अपना काम करने से रोका और कथित कुकी उग्रवादियों को सुरक्षित क्षेत्र में भागने का मौक़ा दिया।

असम राइफ़ल्स एक केंद्रीय अर्धसैनिक बल है, जो मुख्य रूप से भारत-म्यांमार सीमा पर तैनात है। असम राइफ़ल्स भारतीय सेना के ऑपरेशनल नियंत्रण के तहत काम करता है।असम राइफ़ल्स की भूमिका पर उठते सवालों का भारतीय सेना ने खंडन किया है। भारतीय सेना का कहना है कि ज़मीनी हालात की जटिल प्रकृति की वजह से विभिन्न सुरक्षा बलों के बीच सामरिक स्तर पर कभी-कभी मतभेद हो जाते हैं जिनका निपटारा सयुंक्त तंत्र के ज़रिये तुरंत कर लिया जाता है।

इस मामले को लेकर सेना का कहना है कि असम राइफ़ल्स हिंसा रोकने के लिए कुकी और मैतेई क्षेत्रों के बीच बनाये गए बफ़र ज़ोन को सुनिश्चित करने के लिए कमांड मुख्यालय द्वारा दिए गए कार्य को अंजाम दे रही थी।असम राइफ़ल्स के ख़लिाफ़ दर्ज एफ़आईआर में

मणिपुर पुलिस ने कहा है कि पाँच अगस्त को सुबह साढ़े छह बजे राज्य पुलिस की टीमें क्वाक्ता वॉर्ड नंबर आठ के पास फोल्जांग रोड के इलाक़े में अभियुक्त कुकी विद्रोहियों का पता लगाने पहुँचीं।

कुछ ही घंटे पहले दिन में क़रीब साढ़े तीन बजे क्वाक्ता में हथियारबंद अपराधियों ने सो रहे तीन मैतेई लोगों की हत्या कर दी थी। मरने वालों में दो लोग पिता-पुत्र थे। मणिपुर पुलिस को ये शक था कि इस हत्याकांड में कुकी विद्रोहियों का हाथ है और शायद वो अब भी उसी इलाक़े में शरण लिए हुए हैं।

मणिपुर पुलिस के मुताबिक़ जब उनकी टीमें इलाक़े में क़ुतुब वाली मस्जिद पहुंचीं तो असम राइफ़ल की 9वीं बटालियन के कर्मियों ने क्वाक्ता फोल्जांग रोड के बीच अपनी बख़्तरबंद कैस्पर गाड़ियां लगाकर उन्हें आगे जाने से रोका और इसी वजह से कुकी आतंकियों को किसी सुरक्षित जगह भाग जाने का मौक़ा मिला।इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में मणिपुर पुलिस और असम राइफ़ल्स के जवानों के बीच तीखी बहस होते देखी जा सकती है। साथ ही मणिपुर पुलिस के एक जवान को असम राइफ़ल्स पर हथियारबंद अपराधियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए देखा जा सकता है।

यह पहला टकराव नहीं

ये हालिया घटना पहला ऐसा मामला नहीं है, जब मणिपुर पुलिस और असम राइफ़ल्स के बीच होती तकरार साफ़ तौर पर देखी गई।दो जून को एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें देखा जा सकता था कि असम राइफ़ल्स की 37वीं बटालियन के कर्मियों ने सुगनु पुलिस स्टेशन के मेन गेट पर एक बख़्तरबंद कैस्पर गाड़ी लगा कर उसका रास्ता रोक दिया था। साथ ही वीडियो में ये भी दिखा कि सुगनु पुलिस स्टेशन के सामने की सड़क पर दोनों तरफ़ कैस्पर गाड़ियां लगाकर पुलिस स्टेशन तक पहुँचने के रास्ता रोक दिया गया था।

इस घटना के वीडियो में भी मणिपुर पुलिस के जवानों को असम राइफ़ल्स के सुरक्षाकर्मियों से तीखी बहस करते देखा जा सकता है।जुलाई के महीने में जब बीबीसी सुगनु पुलिस स्टेशन पहुँचा तो वहाँ तैनात मणिपुर पुलिस के कर्मियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्होंने असम राइफ़ल्स की 37वीं बटालियन के ख़लिाफ़ मुक़दमा दर्ज कर लिया है।

एफ़आईआर दिखाते हुए एक अधिकारी ने बताया कि असम पुलिस पर कर्तव्य में बाधा डालने, चोट पहुँचाने की धमकी देने और ग़लत तरीक़े से रोकने की धाराओं के तहत एफ़आईआर दर्ज की गई है।एफ़आईआर में ये साफ़ तौर पर लिखा गया था कि असम राइफ़ल्स का इरादा पुलिस स्टेशन पर हमला करने का था।हमने सुगनु पुलिस स्टेशन पर तैनात जवानों से जानना चाहा कि ये घटना क्यों हुई? उनमे से एक ने कहा, हम नहीं जानते कि उनकी असली मंशा क्या थी। पर ये बहुत चौंकाने वाला था।

भारतीय सेना असम राइफ़ल्स के बचाव में

असम राइफ़ल्स पर लग रहे आरोपों का भारतीय सेना ने खंडन किया है। ट्विटर पर जारी किए गए एक बयान में भारतीय सेना ने कहा कि कुछ विरोधी तत्वों ने तीन मई से मणिपुर में लोगों की जान बचाने और शांति बहाल करने की दिशा में लगातार काम कर रहे केंद्रीय सुरक्षा बलों विशेष रूप से असम राइफ़ल्स की भूमिका, इरादे और अखंडता पर सवाल उठाने के हताश और असफल प्रयास बार-बार किए हैं।

भारतीय सेना ने कहा, यह समझने की ज़रूरत है कि मणिपुर में ज़मीनी हालात की जटिल प्रकृति के कारण विभिन्न सुरक्षा बलों के बीच सामरिक स्तर पर कभी-कभी मतभेद हो जाते हैं। हालाँकि कार्यात्मक स्तर पर ऐसी सभी ग़लतफ़हमियों को मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए संयुक्त तंत्र के माध्यम से तुरंत संबोधित किया जाता है।

भारतीय सेना ने कहा कि असम राइफ़ल्स को बदनाम करने के उद्देश्य से पिछले 24 घंटों में दो मामले सामने आए हैं।पहले मामले में असम राइफ़ल्स बटालियन ने दो समुदायों के बीच हिंसा को रोकने के उद्देश्य से बफ़र ज़ोन दिशानिर्देशों को सख़्ती से लागू करने के एकीकृत मुख्यालय के आदेश के अनुसार सख़्ती से काम किया है। दूसरा मामला असम राइफ़ल्स को एक ऐसे क्षेत्र से बाहर ले जाने का है, जिससे उनका कोई संबंध भी नहीं है।

जिस दूसरे मामले की बात यहाँ की गई है, वो भी एक वीडियो से जुड़ा हुआ है, जिसमें महिलाएं एक फौजी वर्दी पहने अधिकारी के पैरों पर गिरकर रोती-बिलखती नज़र आ रही हैं।इस वीडियो के ज़रिये ये दावा किया गया था कि ये महिलाएं कुकी-जो समुदायों से हैं जो अपने इलाक़े से असम राइफ़ल्स को हटाकर किसी अन्य सुरक्षाबल को तैनात करने की योजना का विरोध कर रही हैं और रो-रो कर असम राइफ़ल्स से वहाँ रुकने की गुहार लगा रही है।

भारतीय सेना ने अब कहा है कि मई में मणिपुर में संकट पैदा होने के बाद से सेना की एक इन्फैंट्री बटालियन उस क्षेत्र में तैनात है, जहाँ से असम राइफ़ल्स को हटाने की कहानी बनाई गई है।

भाटसन सेंटर स्कूल में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे गुजरात। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है, बच्चों की क्षमता को बाहर लाने और भविष्य में उनके कौशल का उपयोग करने के लिए सरस्वती तालुका के भाटसन स्कूल में व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। भाटसन स्कूल में आज बी.एड कॉलेज के प्रशिक्षुओं द्वारा व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक छात्र-छात्रा ने अलग-अलग प्रकार के व्यंजन बनाये। प्रत्येक बच्चे ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षण स्टाफ परिवार के सहयोग से व्यंजन प्रतियोगिता के तीन रैंक प्रदान किये गये। प्रथम रैंक ठाकोर कोमल कनुजी-आलु पराठा, दूसरी रैंक ठाकोर माया विक्रमजी-आलू पोहा और तीसरी रैंक भरवाड मान्यता रूपाभाई-फ्राइड चावल। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गये। कार्यक्रम का आयोजन ठाकोर भेमुबेन धर्माजी, देसाई श्रद्धा रेवाभाई, ठाकोर ममता सुधारजी, देसाई आरती ईश्वरभाई और ठाकोर विपीसिंह जेमाजी और सोलंकी दशरथ तेजमलभाई ने किया था। भाटसन आचार्य शैलेशभाई सुथार द्वारा सभी बच्चों का अभिनंदन किया गया। इस संबंध में शिक्षक नीलेश श्रीमाली ने प्रशिक्षणार्थियों से व्यंजन प्रतियोगिता के उद्देश्य एवं भविष्य में उपयोग के बारे में विशेष चर्चा की।

रीवा में भू माफियाओं के हौसले बुलंद दूसरो के जमीन पर जबरन कर रहे मकान निर्माण

85 साल का बुजुर्ग न्याय के लिए दर- दर भटक रहा लगा रहा न्याय की गुहार

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। जिले में भू माफियाओं के हौसले बुलंद है और हो भी क्यों न पुलिस प्रशासन को ये भू माफिया अपनी जेब में रखते है, और किसी की भी जमीन पर जबरदस्ती करके मकान बनवाने लगते है और रोकने पर जान से मारने की धमकी देते है।और हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री इन भू माफियाओं को जमीन पर गाड़ देने की बात करते है। फिर भी इन भू माफियाओं को किसी का डर नही। एक ऐसा ही मामला जिले के अगडाल ग्राम से प्रकाश में आया है, जहा 85 साल के बुजुर्ग ब्रजलाल साकेत और उनके भतीजे राजबहोर साकेत और दयाराम साकेत की जमीन पर केमला साकेत एवं दोनो पुत्र विश्राम साकेत, बुद्धसेन साकेत जबरन मकान का निर्माण करवा रहे है, और मकान निर्माण रोकने पर जान से मारने की धमकी दे रहे है, जिसकी सूचना उक्त व्यक्ति द्वारा थाने में दी गई लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। बुजुर्ग द्वारा बताया गया की भू माफिया केमला साकेत उमरी गांव में रहता था, पिछले 50 वर्ष से उमरी में निवासी है अब वह मेरी जमीन पर जबरन नए मकान का निर्माण कर रहा है वो भी मेरे घर के सामने जिस कारण मेरा आवागमन भी बंद हो रहा रास्ते पर घर बना रहा है, बुजुर्ग व्यक्ति ने यह भी बताया की पूर्व पटवारी पुष्पेंद्र सिंह द्वारा कुछ पैसे लेकर लिखित उन्हें दे दिया गया की यह पर आपकी जमीन है, और उस पंचनामे में हस्ताक्षर 1 किलोमीटर दूर के व्यक्तियों के हैं। बुजुर्ग व्यक्ति एवं बुजुर्ग के भतीजो द्वारा जब मकान बनाने का विरोध किया गया तब भू माफियाओं द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई की हम तुम्हें मारकर यही गाड़ देंगे। आए दिन इन भू माफियाओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है, यह भू माफिया यह देखते है कि कौन कमजोर है उसकी गर्दन दबाई जाए अब 85 साल का बुजुर्ग व्यक्ति इनका क्या ही कर लेगा पुलिस प्रशासन सब इनके ही पक्ष में रहते है। एक 85 साल के बुजुर्ग के पास अधिकारियों को क्या ही मिलेगा। आखिर ऐसा कब तक चलता रहेगा। इन भू माफियाओं पर प्रशासन क्यू कोई कार्यवाही नही करता,आखिर एक 85 साल के बुजुर्ग को दर- दर भटकना पर रहा है उसे न्याय नही मिल रहा है। इससे जनता क्या समझे, और न सही कम से कम उस बुजुर्ग की उम्र का तो ख्याल रखना चाहिए की 85 साल की उम्र में कोई व्यक्ति कितना भाग दौड़ कर सकता है। फिर भी बुजुर्ग अपनी ही जमीन के लिए दर- दर भटक रहा है, लेकिन उसे न्याय नही मिल रहा है।

जैतवारा थाना प्रभारी रही सुरभि शर्मा के छतरपुर स्थानांतरण में दी गई भावभीनी विदाई

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिले के जैतवारा थाना में पदस्थ थाना प्रभारी सुरभि शर्मा का छतरपुर स्थानांतरण हो जाने पर जैतवारा थाना एसआई विजय सिंह वा थाने में पदस्थ समस्त स्टाफ ने साल श्री फल और स्मृति चिन्ह देकर भावभीनी विदाई किया थाना प्रभारी सुरभि शर्मा के जैतवारा में 3 साल रहते हुए बहुत ही अच्छा एवं सराहनीय कार्य किया विदाई समारोह में एसआई विजय सिंह एसआई मनकामना प्रसाद उरमालिया प्रधान आरक्षक विजय राय प्रधान आरक्षक दयाराम प्रधान आरक्षक ऋषि द्विवेदी प्रधान आरक्षक अर्पित त्रिवेदी अभिलाष सिंह ललित पांडे अमित दीक्षित सुनीता साकेत संदीप शुक्ला सैनिक राज नारायण सिंह पत्रकार शिवम द्विवेदी पत्रकार राजेश तिवारी एवं नगर जैतवारा से अफलाक अहमद नीरज त्रिपाठी उपस्थित रहे।

आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित आधा सैकड़ा से अधिक केंद्रीय एवं प्रदेश सरकार के मंत्रियों को खून से हस्ताक्षरित कलेक्टर रीवा को सौंपा ज्ञापन

ईश्वरीय शक्तियों के नाम भी ज्ञापन आज के बाद अब नहीं सौंपे जाएंगे ज्ञापन

रीवा। सुअर पशु पालकों को मृत सुअरो का मुआवजा दिलाए जाने के साथ-साथ पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुखो के खिलाफ कार्यवाही किये जाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की अगुवाई पर बसोर समाज का कलेक्ट्रेट रीवा के समक्ष महापड़ाव 310वें दिन रहा जारी मोर्चा के संयोजक शिव सिंह ने कहा सुअर पशुपालकों के आंदोलन के 10 माह से अधिक हो चुके हैं मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने आज तक गरीब आंदोलनकारियों की मदद नहीं किया इसके पहले सैकड़ों आवेदन जिम्मेदार लोगों को दिए जा चुके हैं। नाराजआंदोलनकारियों ने राष्टपति प्रधानमंत्री मानवाधिकार आयोग राज्यपाल मुख्यमंत्री लोकसभा विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तथा ईश्वरीय शक्तियों के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रमुख कैबिनेट मंत्रियों एवं मंत्रियों के प्रमुख सचिवों को खून से हस्ताक्षरित आधा सैकड़ा से

अधिक ज्ञापन पत्र कलेक्टर रीवा के माध्यम से सौंपकर गरीब पीड़ति आंदोलनकारियों ने न्याय की गुहार लगाई है साथ ही आंदोलनकारियों ने यह भी कहा है कि आज के बाद अब वह ज्ञापन नहीं सौंपेंगे सरकार उनकी मदद करें अन्यथा लगातार भाजपा की केंद्रीय हुकूमत एवं मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे दौरान ज्ञापन एसकेएम के नेता बद्रीप्रसाद कुशवाहा रामजीत सिंह उमेश पटेल मौलिक अधिकार पार्टी के बाबूलाल सेन विश्वनाथ चोटीवाला इंद्रजीत सिंह शंखू अभिषेक पटेल शोभनाथ कुशवाहा संतकुमार पटेल शेषमणि पटेल जयभान सिंह सुग्रीव सिंह मयंक सिंह फौजी रमेश पटेल अनुराग सिंह घनश्याम सिंह डॉक्टर बी पी पटेल रमेश सिंह वीरभद्र सिंह इंद्रभान सिंह चंद्रभान सिंह अरुण पटेल गोलू आंदोलनकारियों में प्रदीप बंसल राजाराम शकोचिल मलखान बाबूलाल लक्ष्मी बंसल ललिता गीता सुशीला सावित्री मुन्नी छोटीबाई सुखरनिया राजेश सरजू आदि सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

जीवन में माता महात्मा और परमात्मा से बढ़कर कुछ नहीं हैः संत रामप्रकाश

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट के तत्वाधान में चातुर्मास विराजित संत रामप्रकाश महाराज ने प्रवचन में कहा कि जीवन में माता, महात्मा और परमात्मा से बढ़कर कुछ भी नहीं हैं।

जीवन में तीन आशीर्वाद जरुरी हैं। बचपन में माँ का, जवानी में महात्मा का और बुड़ापे में परमात्मा का। माँ बचपन को संभाल देती हैं, महात्मा जवानी सुधार देता हैं और बुड़ापे को परमात्मा संभाल लेता हैं। इस अवसर पर वडेर के अध्यक्ष हरीराम गहलोत, सह-सचिव भंवरलाल गहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, सह-कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम पंवार एवं समस्त कमेंटी सदस्यगण उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री एवं विधायक राजेंद्र शुक्ल ने 79.13 लाख रूपये की सड़क का किया लोकार्पण

दैनिक पुष्पांजलि टुडे, विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। पूर्व मंत्री एवं विधायक राजेन्द्र शुक्ल ने आज विकास यात्रा की श्रंखला में वार्ड क्रमांक 2 में लखौरीबाग कोठी गार्डेन से रेलवे पुलिया तक 79.13 लाख रूपये की लागत से स्वीकृत सड़क का लोकार्पण किया। पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री शुक्ल ने कहा कि उपरोक्त कंक्रीट सड़क का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। मार्ग निर्मित हो जाने से पुष्पराज नगर से बीटीएल औद्योगिक क्षेत्र जुड़ गया है और आगे जाकर रीवा से सतना रोड भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूर्ण हो जाने से स्थानीय निवासियों को आवागमन की सुगम सुविधा प्राप्त हो गई है। इस सड़क निर्माण से 25 हजार लोग आवागमन की सुविधा प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक 2 में 88 लाख रूपये के 4 निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान महिलाओं के उत्थान के लिए एवं उनको आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लाड़ली बहना योजना प्रारंभ की है। लाड़ली बहनों के खाते में सीधे प्रत्येक माह एक हजार रूपये जमा किये जा रहे हैं अभी प्रदेश भर की लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री जी ने रीवा जिले से ही तीसरी किश्त जारी की है। उन्होंने कहा कि रीवा जिला विकास के क्षेत्र में प्रदेश में पहले नंबर पर है यहां पर जहां तीन-तीन फ्लाई ओवरों का निर्माण किया गया है वहीं कई ग्रामों को लिंक रोड बनाकर जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि रीवा जिले के प्रत्येक वार्ड के हर घर में मीठा पानी पहुंच रहा है। रीवा जिले के गु? क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट स्थापित किया गया। इस प्लांट से दिल्ली की मैट्रो ट्रेन भी चलती है। नगर निगम स्पीकर श्री व्यंकटेश पांडे ने भी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में अधीक्षण यंत्री शैलेंद्र शुक्ला, कार्यपालन यंत्री एसके चतुर्वेदी, दीनानाथ वर्मा, वार्ड पार्षद ममता कुशवाहा, पार्षद संजय सिंह संजू, श्रीमती शिवराज सीएल रावत, राजगोपाल चारी, कमलेश सचदेवा, शेखर सचदेवा, नारायण पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रीवा कलेक्टर ने 6 अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

रीवा। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अन्तर्गत लोक सेवा केन्द्रों से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का समय सीमा में निराकरण न करने पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 6 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। उन्होंने जनपद पंचायत हनुमना, के सीईओ अजय सिंह, गंगेव के सीईओ राहुल पाण्डेय, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक अभियंता एमएम पाण्डेय, थाना प्रभारी गढ़ सुरेन्द्र शर्मा, सेमरिया तहसील के प्रभारी तहसीलदार अर्जुन कुमार बेलवंशी, मऊगंज के प्रभारी तहसीलदार सौरभ मरावी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने बताया कि जनपद पंचायत हनुमना के सीईओ अजय सिंह ने जन्म का प्रमाण पत्र, मृत्यु का प्रमाण पत्र एवं निर्माण श्रमिकों का पंजीयन के आवेदन का निराकरण नहीं किया। गंगेव के सीईओ राहुल पाण्डेय ने जन्म एवं मृत्यु का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन का निराकरण नहीं किया है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक अभियंता एमएम पाण्डेय ने निम्न दाब उपभोक्ताओं के मीटर बंद होने या तेज चलने की शिकायत पर जांच एवं खराब पाये जाने पर मीटर नहीं बदला। थाना प्रभारी गढ़ सुरेन्द्र शर्मा ने स्टेशन हाउस आफीसर द्वारा फरियादी को एफआईआर की प्रति प्रदान नहीं की। सेमरिया के प्रभारी तहसीलदार अर्जुन कुमार बेलवंशी ने कानूनी बाध्यता के कारण स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया। मऊगंज के प्रभारी तहसीलदार सौरभ मरावी ने समय सीमा के अन्दर आर्थिक रूप से कमजोर

वर्ग के नागरिकों को आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया। जन्म के एक वर्ष पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति प्रदान नहीं की। उन्होंने मृत्यु के एक वर्ष पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति प्रदान नहीं की। तहसील स्तरीय रिकार्ड रूम से अभिलेख प्रकोष्ठ में जमा भू-अभिलेखों, राजस्व प्रकरणों, नक्शों एवं अन्य अभिलेखों की सत्य प्रतिलिपि प्रदान नहीं की। उन्होंने अविवादित बटवारा के आवेदन का निराकरण नहीं किया।

चाकू गोदकर हत्या करने वाले 3 बदमाशों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

हत्या करने के बाद शहर छोड़ कर भागने की फिराक में थे आरोपी, हत्या में उपयोग की गई चाकू पुलिस ने किया बरामद, प्रेम प्रसंग में गई युवक की जान

दैनिक पुष्पांजलि टुडे रीवा

रीवा। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के निर्देशानुसार छ्टस्क्क शिवाली चतुर्वेदी के नेतृत्व में सिविल लाइन थाना प्रभारी मिथलेश यादव, उपनिरीक्षक सुक्कू लाल, अमहिया थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौड़ सिटी कोतवाली टीआई विजय सिंह व समान टीआई जेपी पटेल समस्त थाना स्टाफ ने हत्या के तीन आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा बीती रात पुराने बस स्टैंड के सामने हुई चाकूबाजी की घटना में एक युवक की हो गई थी मौत मृतक के परिजनों द्वारा अस्पताल चौराहे पर चक्का जाम कर दिए थे छ्टस्क्क शिवाली चतुर्वेदी की समझाईश के बाद मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया जल्द से जल्द आरोपी को पकड़ लिया जाएगा जाम को खुलवाया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली हत्या के 3 आरोपी शहर छोड़ कर भागने की फिराक पर थे पुलिस ने बीती रात बाईपास रतहरा के पास घेराबंदी कर पकड़ा आरोपियों से पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

बीएलओ मतदाता सूची के संशोधन का कार्य पूरी गंभीरता से करें: कमिश्नर, बीएलओ 50 छूटी हुई महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करें: कलेक्टरदैनिक पुष्पांजलि टुडे

विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के बीएलओ का दो सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण में रीवा संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी ने बीएलओ को मतदाता सूची के संबंध में निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि सभी बीएलओ निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भलीभांति अध्ययन कर लें। हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल कराएँ। बिना किसी अभिलेख के भी यदि कोई व्यक्ति आवेदन करता है तो उसका आवेदन पत्र बीएलओ स्वीकार करें। सभी बीएलओ पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से मतदाता सूची के संशोधन और परिवर्धन का कार्य करें। अभी यदि मतदाता सूची में कोई कमी रह गई तो निर्वाचन के समय कठिनाई आएगी। मतदाता सूची से नाम सत्यापन के बाद ही काटें। ब?ी संख्या में नाम किसी भी स्थिति में न काटें। बीएलओ यदि दो घण्टे भी प्रतिदिन समय देंगे तो मतदाता सूची की सभी कमियाँ दूर हो जाएंगी। प्रशिक्षण देते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि बीएलओ चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण क?ी है। मतदाता सूची में 18 साल से अधिक आयु के हर व्यक्ति का नाम शामिल करना आपकी जिम्मेदारी है। मतदाता सूची त्रुटि रहित होने पर मतदान सरलता से होगा। जिले के कई मतदान केन्द्रों में जनसंख्या में महिलाओं के अनुपात से तुलना करने पर बहुत कम महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल हैं। सभी बीएलओ 31 अगस्त तक फार्म 6 में आवेदन लेकर मतदाता सूची से छूटी हुई 50 महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। इसके लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करें। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और महिला स्वसहायता समूहों से भी इस कार्य में सहायता लें। निर्धारित तिथि के बाद सभी बीएलओ इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे की उनके मतदान केन्द्र में कोई भी पात्र महिला मतदाता सूची में नाम शामिल कराने से वंचित नहीं है। कलेक्टर ने कहा कि बीएलओ बिना किसी दबाव के केवल निर्वाचन आयोग के निर्देशों और रिटर्निंग आफीसर के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची में नाम जोड़ने और काटने का कार्य करें। मतदाता सूची में सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों, महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों तथा दिव्यांग मतदाताओं का नाम चिन्हित करके रखें। इनके नाम किसी भी स्थिति में छूटने नहीं चाहिए। प्रशिक्षण देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए 12 तथा 13 अगस्त एवं 19 और 20 अगस्त को सभी मतदान केन्द्रों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में अधिक से अधिक मतदाताओं का नाम शामिल कराने का प्रयास करें। प्रतिदिन भरे जा रहे फार्म को बीएलओ एप पर अपलोड करें। एक साथ बड़ी संख्या में फार्म अपलोड करने पर निर्वाचन आयोग आपत्ति करेगा। बैठक में सहायक कलेक्टर सोनाली देव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति फार्म 6 में आवेदन करता है उसके साथ फोटो तथा समग्र आईडी देता है अथवा निवास संबंधी अन्य प्रमाण पत्र देता है तो बीएलओ उसका आवेदन स्वीकार करें। आधार कार्ड अपडेट न होने, जन्मतिथि के लिए अंकसूची किसी अन्य राज्य की होने, महिला आवेदक के आधार कार्ड में पति के नाम पर पिता का नाम होने अथवा दस्तावेज में किसी तरह की स्पेलिंग की गलती होने पर आवेदन पत्र अमान्य न करें। प्रशिक्षण देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा निरसन की प्रक्रिया की जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर डॉ एसपी शुक्ला ने मतदाता सूची के संबंध में निर्वाचन आयोग के निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ की समस्याओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, एसडीएम गुड़ संजय, एसडीएम रायपुर पीएस त्रिपाठी, प्रशिक्षण के नोडल डॉ अमरजीत सिंह तथा सभी मतदान केन्द्रों के बीएलओ उपस्थित रहे।

सार समाचार

हॉकी इंडिया लीग के वित्तीय मॉडल को मिली मंजूरी

चेन्नई । हॉकी इंडिया ने कार्यकारी बोर्ड की 100वीं बैठक में गुरुवार को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिये प्रस्तावित विग बैंग मीडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के वित्तीय मॉडल को मंजूरी दे दी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ दिलीप टिर्की ने बैठक के बाद कहा पिछले महीने हमने अपनी मार्केटिंग एजेंसी द्वारा प्रस्तावित एचआईएल पुनरुद्धार योजनाओं की समीक्षा करने के लिये बैठक बुलाई थी। आज कार्यकारी बोर्ड ने हॉकी इंडिया लीग के लिये विग बैंग मीडिया वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित वित्तीय मॉडल को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी। हम इस नतीजे पर पहुंचे कि एजेंसी को आधिकारिक तौर पर हॉकी इंडिया लीग के लिये बाजार में कदम रखने दें। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य बहुत उच्च गुणवत्ता वाली हॉकी का उत्पादन करना है, जो खेल को और भी ऊपर उठाने में मदद करेगा। डॉ टिर्की की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष दातो तेयब इकराम और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) के अध्यक्ष फुमियो ओगुरा भी उपस्थित थे। दोनों को स्मारक स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

विश्व कप में अहम भूमिका निभाना चाहते हैं बोल्ट

वेलिंगटन । विश्व कप 2015 और 2019 के फाइनल में हार का स्वाद चखने के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट आगामी एकदिवसीय विश्व कप में अपनी टीम के लिये 'अहम भूमिका' निभाकर ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। बोल्ट ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा टीम में वापस आना और एकदिवसीय विश्व कप की ओर काम करना मेरे मन में हमेशा रहा है। पिछले आयोजनों में हमारा अनुभव बेहद रोमांचक रहा है। इसलिये मैं टीम के साथ जुड़ने और बड़ी भूमिका निभाने के लिये उत्सुक हूं।

उम्मीद है कि जिस चमकदार चीज के बेहद करीब हम चार साल पहले आये थे, उसे इस बार उठा सकेंगे। बोल्ट ने पिछले साल न्यूजीलैंड क्रिकेट के केन्द्रीय अनुबंध से नाम वापस लेकर दुनियाभर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का फैसला लिया था। वह कई मौकों पर फ्रेंचाइजी लीग प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये न्यूजीलैंड की टीम से बाहर रहे, लेकिन विश्व कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के इंग्लैंड दौरे पर उन्हें टीम में शामिल किया गया है। बोल्ट ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के अपने फैसले पर कहा, " एक साल पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट से दूर जाना आसान निर्णय नहीं था। मैं कभी नहीं चाहता था कि यह न्यूजीलैंड और फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बीच चुनना नहीं चाहता था।

हॉकी: सेमीफाइनल में जापान की चुनौती के लिए भारत तैयार

चेन्नई ■

आत्मविश्वास से भरी भारतीय हॉकी टीम जब शुक्रवार को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश मैच के पूरे 60 मिनट में मजबूत प्रदर्शन जारी रखने और निरंतरता बनाये रखने की होगी। इसमें कोई शक नहीं कि राउंड रॉबिन चरण में चार मैच जीतकर और एक ड्रा खेलकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत इस मैच में प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेगा।

लेकिन भारत को जापान से सतर्क रहना होगा क्योंकि वह मेजबान के अलावा ऐसी टीम है जिसे हार का सामना नहीं करना पड़ा है। दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच भी 1-1 से ड्रा रहा था।

विश्व रैंकिंग की बात की जाये तो दोनों टीमों के बीच काफी बड़ा अंतर है जिसमें भारत चौथे और जापान 19वें स्थान पर काबिज है। लेकिन घरेलू टीम को यह नहीं भूलना चाहिए कि ढाका में 2021 चरण के सेमीफाइनल में उसे जापान से 3-5 से हार मिली थी जबकि लीग चरण में उसने अपनी इसी प्रतिद्वंद्वी को 6-0 से हराया था। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा (20) गोल किये हैं लेकिन जापान के खिलाफ लीग मैच में खिलाड़ियों ने गोल करने के मौके गंवा दिये थे और मेजबान को शुक्रवार को अपनी इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी खराब 'फिनिशिंग' में काफी सुधार करना होगा।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की टीम जापान के खिलाफ लीग मैच में 15 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल एक को ही भुना सकी थी और अब उन्हें पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के तरीके तलाशने होंगे। बुधवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर भारत की 4-0 की जीत के बाद फुल्टन ने कहा कि उनकी टीम के लिए मैच के चारों क्वार्टर में निरंतरता बरकरार रखना अहम होगा।

फुल्टन ने कहा, ''हमने (पाकिस्तान के खिलाफ) प्रत्येक क्वार्टर में हमने अच्छी निरंतरता दिखायी जो हमने जापान के खिलाफ मैच के दौरान (चार अगस्त को 1-1 से ड्रा रहे मैच में) भी दिखायी थी। हमने जापान की तुलना में प्रत्येक क्वार्टर में सर्कल के अंदर काफी ज्यादा बार सेंध लगायी। इसलिये अब यह निरंतरता बरकरार रखने की बात होगी।''

भारत के उप कप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह भी अपने कोच से इत्तेफाक रखते हैं लेकिन उन्हें लगता है कि जापान के खिलाफ अधिक से अधिक गोल करने के लिए 'बॉक्स' के अंदर पहुंचकर शॉट लगाने के अलावा अधिक संयम रखने की भी जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, ''हमें इसी लय के जारी रखने की उम्मीद है। लेकिन हमें फिर भी बॉक्स के अंदर अधिक संयम की जरूरत होगी, जो बहुत ही अहम हिस्सा है। साथ ही हमें खेल की लय भी तय करनी होगी। हम उन्हें (जापान) को शीर्ष टीम के तौर पर लेंगे। ''जहां तक जापान का संबंध है तो उसने पाकिस्तान से बेहतर गोल अंतर की बदौलत सेमीफाइनल में जगह बनायी। टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन की बात की जाये तो उसका प्रदर्शन इतना प्रभावी नहीं रहा क्योंकि टीम सिर्फ एक जीत (चीन के खिलाफ) ही हासिल कर पायी और एक मैच गंवा बैठी जबकि दो में उसने ड्रा खेला।

भारत विश्व कप जीतने के लिए 'बेताब': रोहित

मुंबई ■

कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि भारत आगामी एकदिवसीय विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने के लिए 'बेताब' है और उसके पास खिताब जीतने के लिए 'आत्मविश्वास' है।

भारत ने एक दशक से आईसीसी प्रतियोगिताओं में खिताब नहीं जीता है। टीम ने पिछला आईसीसी खिताब 2013 में चैंपियन्स ट्रॉफी के रूप में जीता था जबकि इससे दो साल पहले स्वदेश में विश्व कप जीता था।

रोहित ने यहां एक कार्यक्रम के इतर मीडिया से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी (50 ओवर का) विश्व कप नहीं जीता है। विश्व कप जीतना सपना है और यहां इसके लिए चुनौती पेश करने से खुशी की बात कुछ और नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, आपको विश्व कप थाल में सजाकर नहीं मिलता, आपको कड़ी मेहनत करनी होती है और 2011 से इतने वर्षों से हम यही कर रहे हैं। हम सभी इसके लिए लड़ रहे हैं।

विश्व चैंपियनशिप : निशिमोतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

सात्विक-चिराग की जोड़ी को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में बाई मिली।

कुआलालंपुर ■

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को गुरुवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बेडमिंटन चैंपियनशिप 2023 के ड्रॉ में पहले दौर में बाई मिली।

इस साल बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन डेनमार्क के कोपेनहेगन में 21 से 27 अगस्त तक किया जाएगा।

वर्ष 2019 में महिला एकल विश्व खिताब जितने वाली सिंधु को मुश्किल ड्रॉ मिला है। उनकी भिड़ंत थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन और शीर्ष वरीय कोरिया की आन से यंग से हो सकती है। इन सभी को ड्रॉ के ऊपरी हाफ में रखा गया है। सिंधु महिला एकल में चुनौती पेश कर रही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। विश्व चैंपियनशिप की गत कांस्य पदक विजेता सात्विक और चिराग की जोड़ी शानदार फॉर्म में चल रही है और इस जोड़ी ने कोरिया ओपन में खिताब के बाद पिछले हफ्ते विश्व रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया। पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुआई फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय करेंगे जिन्हें इस प्रतियोगिता के लिए दूसरी वरीयता दी गई है। वह पहले दौर में फिनलैंड के केल कोलजोनेन से भिड़ेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की भिड़ंत पहले दौर में क्रमशः मॉरिशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल और जापान के केंता निशिमोतो से होगी। प्रणय पिछले 12 महीने में सबसे अधिक निरंतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं और अभी उनकी विश्व रैंकिंग नौवीं है। उन्होंने मई में मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता और पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रहे।

महिला युगल में भारत ने दो जोड़ियां उतारी हैं। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को पहले दौर में बाई मिली है जबकि अश्विनी भट और शिखा गौतम को देबोरा जिली और चेरिल सीनेन की नीदरलैंड की जोड़ी से भिड़ना है।

पुरुष एकल में 64 जबकि महिला एकल में 48 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। तीन युगल स्पर्धाओं में 46-46 जोड़ियां हिस्सा लेंगी। सभी पांच वर्ग में नवीनतम विश्व रैंकिंग में 16 शीर्ष खिलाड़ियों को वरीयता मिली है। चार भारतीय एकल वर्ग में चुनौती पेश करेंगे जबकि टूर्नामेंट के 28वें सत्र में युगल वर्ग में भारत की छह जोड़ियां चुनौती पेश कर रही हैं। सिंधु अब तक विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2019 में खिताब जीता था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीते हैं।

सिंधु के अलावा पूर्व ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने भी विश्व चौपयनशिप में 2015 में रजत और 2017 में कांस्य पदक जीता। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने भी 2021 में रजत पदक जीता था।

चेन्नईयिन एफसी ने हैदराबाद एफसी को 3-1 से हराया

गुवाहाटी ■

चेन्नईयिन एफसी ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में 132वें डूरंड कप के दक्षिणी डर्बी मैच में हैदराबाद एफसी को 3-1 से हराया और ग्रुप ई में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। जॉर्डन मरे, कॉनर शील्ड्स और एलेक्स साजी के गोल ने चेन्नईयिन के लिए स्कोर लाइन पूरी की, जबकि हैदराबाद के लिए चिंगलेसाना सिंह ने पेनल्टी के जरिए गोल किया।

हैदराबाद एफसी के कोच थांगबोई सिंग्टो ने अपनी टीम को 3-5-2 के फॉर्मेशन में खड़ा किया, जबकि ओवेन कॉयले ने डूरंड कप के अपने पहले मैच में 4-3-3 से शुरुआत की, जो महत्वपूर्ण ग्रुप मुकाबले में दोनों टीमों के दृष्टिकोण को दर्शाता है। मैच की शुरुआत तेज गति से हुई और हैदराबाद ने शुरुआत में ही कॉर्नर हासिल कर लिया। हितेश शर्मा को जितेश्वर सिंह ने पेनल्टी देकर गच्चा दे दिया। परिणामी पेनल्टी को हैदराबाद के कप्तान चिंगलेनसाना सिंह ने आसानी से गोल में बदल दिया।

चेन्नईयिन ने तुरंत जवाब दिया और छठे मिनट में हैदराबाद के डिफेंडर एलेक्स साजी के आत्मघाती गोल से बराबरी कर ली। बायीं ओर से फारुख चौधरी के खूबसूरत क्रॉस को एलेक्स ने क्लीयर करने के प्रयास में अपने ही गोल में डाल दिया।

कैनेडियन ओपन

कार्लोस अल्काराज ने ओपनर में बेन शेल्टन को हराया

कनाडा ■

विश्व के नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने यहां सेंटर कोर्ट पर होनहार अमेरिकी बेन शेल्टन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत हासिल करते हुए टोरंटो में पदार्पण किया।

अल्काराज पिछली गर्मियों में मॉन्ट्रियल में कैनेडियन मास्टर्स 1000 इवेंट में एक बार पहले भी खेल चुके हैं, जहां उनका पहला मुकाबला टॉमी पॉल से हुआ था। नेशनलबैंकओपन.कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल वह काफी पसंदीदा हैं और यहां प्रशंसकों की प्रतिक्रिया को देखते हुए रविवार को उन्हें अभी भी खड़े देखना एक वास्तविक रोमांच होगा।

मैच के लिए सेंटर कोर्ट खचाखच भरा हुआ था और अल्काराज के बाहर निकलते ही जोरदार स्वागत किया गया। शेल्टन ने उन्हें जल्दी ही परखा और पूरे मैच के दौरान स्पेनियार्ड के साथ रहे और हालांकि अल्काराज ने 6-3, 7-6(3) से जीत हासिल की, लेकिन यह एक करीबी मुकाबला था।

मुकाबले के दौरान प्रत्येक खिलाड़ी को तीन ब्रेक के मौके मिले, जिसमें अल्काराज ने शुरुआती सेट में एक ब्रेक को भुनाया।

शेल्टन ने अपनी तेज सर्विस से प्रभावित किया जो नियमित रूप से 230 किलोमीटर प्रति घंटे की गति को पार कर जाती थी और उन्होंने अपने पैरों का अच्छा मूवमेंट भी दिखाया।

इस बीच अल्काराज ने अपने पहले टोरंटो अनुभव का सारांश इस प्रकार दिया, "यह वास्तव में बहुत अच्छा था। ईमानदारी से कहूं तो मैंने यहां टोरंटो में अपने पहले मैच का भरपूर आनंद लिया। ऐसा लगता है जैसे मैं कई वर्षों से यहां खेल रहा हूं।'

उनका अगला मुकाबला गुरुवार शाम को 15वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्कांज से होगा।

ईडन गार्डन के ड्रेसिंग रूम में लगी आग

कोलकात । पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित क्रिकेट मैदान ईडन गार्डन के ड्रेसिंग रूम में बुधवार रात आग लगने से छत और कुछ फर्नीचर क्षतिग्रस्त हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फायर ब्रिगेड के सूत्रों ने कहा कि बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) में टीम के ड्रेसिंग रूम में झूठी छत के कुछ हिस्से और कुछ फर्नीचर बुधवार को लगभग 11:40 बजे वायरिंग में संदिग्ध शॉर्ट-सर्किट से लगी आग में क्षतिग्रस्त हो गये।

बार्सिलोना छोड़कर फ्रेंक केसी अल-अहली में हुए शामिल

मैड्रिड ■

कोटे डी आइवर के मिडफील्डर फ्रैंक केसी 12.5 मिलियन यूरो के ट्रांसफर शुल्क पर एफसी बार्सिलोना को छोड़कर सऊदी अरब के क्लब अल-अहली में शामिल हो गए हैं। 26 वर्षीय यह खिलाड़ी एसी मिलान से अपने फ्री ट्रांसफर के ठीक एक सीजन बाद बार्सिलोना छोड़कर अल-अहली में शामिल हो रहा है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, क्लब के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, केसी ने 43 मैचों में तीन गोल किए। हालांकि उनमें से उन्होंने केवल 16 मैचों में ही शुरुआत की।

आधिकारिक बयान में कहा गया है, एफसी बार्सिलोना और अल-अहली, फ्रैंक केसी के लिए 12.5 मिलियन यूरो के ट्रांसफर पर सहमत हुए हैं।

समाचार-आसपास

रियल मैड्रिड के युवा खिलाड़ी अरिबास अल्मेरिया में शामिल

मैड्रिड । आगामी ला लीगा सीजन के लिए तैयारी करते हुए, अल्मेरिया ने रियल मैड्रिड से सर्जियो अरीबास को खरीदकर अपनी फॉरवर्ड लाइन को मजबूत किया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो अभियानों में रियल मैड्रिड की बी-टीम, रियल मैड्रिड कैस्टिला के लिए शीर्ष स्कोरर का खिताब जीतने वाले 21 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। हालांकि अरिबास को रियल मैड्रिड के यूएसए के प्री-सीजन दौरे में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने चार मुकाबलों में केवल 30 मिनट की कार्रवाई देखी। ब्राहिम डियाज जैसे खिलाड़ियों की वापसी और अर्दा गुलेर के शामिल होने से सेंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उनकी संभावनाएं और कम हो गईं। अल्मेरिया ने आक्रमणकारी मिडफील्डर को मात्र आठ मिलियन यूरो में हासिल कर लिया। हालांकि, रियल मैड्रिड ने उसके अधिकारों में 50% हिस्सेदारी बरकरार रखी है, जिससे उसे आगे चलकर पुनर्खरीद करने का अवसर मिल गया है।

स्वीयाटेक ने प्लिस्कोवा को हराकर राउंड 16 में प्रवेश किया

मॉन्ट्रियल । कठिन शुरुआती सेट के बाद, इगा स्वीयाटेक ने यहां कैनेडियन ओपन के राउंड 16 में आगे बढ़ने के लिए कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपनी लय हासिल की। बुधवार रात प्लिस्कोवा के खिलाफ 7-6 (6), 6-2 से जीत के साथ, वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक ने अब लगातार 30वीं बार अपना पहला मैच जीता है। अगर वह गुरुवार को कैरोलिना मुचोवा के खिलाफ जीत हासिल करती है और कनाडाई ओपन में क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ती है, तो स्वीयाटेक 72वें सप्ताह तक शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखेंगी। नंबर 14 वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा ने सोराना क्रिस्टिया पर 7-5, 6-4 से जीत दर्ज की। इस बीच, दुनिया की नंबर 2 आर्यना सबालेंका ने नंबर 35 पेट्रा मार्टिक को 6-3, 7-6(5) से हराकर राउंड 16 में प्रवेश कर अपने अभियान की शुरुआत की। पिछले महीने विंबलडन सेमीफाइनल में ओन्स जाबौर से हारने के बाद अपना पहला मैच खेल रही सबालेंका ने पहले सेट में आसानी से जीत हासिल की लेकिन दूसरे सेट में उन्हें 72 मिनट तक संघर्ष करना पड़ा। मार्टिक 3-0 से आगे थीं और दूसरे सेट में 5-3 पर सर्विस की। लेकिन सबालेंका ने सेट को टाई ब्रेक में पहुंचाकर जीत हासिल की।

मेग लैनिंग जब चाहे तब क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहेंगी : एलिस पैरी

सिडनी । एलिस पैरी का मानना है कि कप्तान मेग लैनिंग जब चाहे तब क्रिकेट में वापसी के लिए उपलब्ध हो सकती हैं। हालांकि उन्होंने उनकी वापसी की सटीक समयसीमा का खुलासा नहीं किया। ऑस्ट्रेलिया कप्तान मेग लैनिंग को मेडिकल इश्यू के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मेडिकल स्टाफ की सलाह पर एशेज सीरीज से बाहर कर दिया गया था। यह तब हुआ जब दाएं हाथ की बल्लेबाज ने चार महीने के मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक से वापसी की और ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका में छठी महिला टी20 विश्व कप जीत दिलाई और फिर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के ओपनिंग सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को उपविजेता बनाया।

ब्रांड एंबेसडर बनीं करीना

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान को भारत की लीडिंग लाइफस्टाइल-संबंधी फ्रेश फ्रूट्स एवं वेजिटेबल्स ब्रांड 'प्लक' ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

करीना कपूर खान ने कहा, मैं एक इन्वेस्टर और ब्रांड एंबेसडर के रूप में 'प्लक' से जुड़कर बेहद खुश हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है, जो अपने ग्राहकों को सेफ और हाई-क्वालिटी फल एवं सब्जियां उपलब्ध कराने में सबसे आगे रहता है।

एक मां के रूप में मेरे लिए फूड की क्वालिटी बहुत जरूरी है। मुझे 'प्लक' के इस बेमिसाल सफर और पूरे भारत के ग्राहकों को सही खाने में मदद करने की इसकी प्रतिबद्धता का हिस्सा बनने का इंतजार है।

'प्लक' के सीईओ एवं को-फाउंडर प्रतीक गुप्ता ने कहा, अपने 1000 से ज्यादा किसानों के नेटवर्क के साथ हम भारतीय परिवारों और घरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए देशभर में सेवाएं देने वाला एक फ्रेश फूड ब्रांड बनना चाहते हैं।

'प्लक' के साथ करीना कपूर खान की पार्टनरशिप हमें हमारे लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ाएगी। हम प्लक फैमिली में उनका हार्दिक स्वागत करते हैं।

'हार्ट ऑफ स्टोन' में नजर आएंगी आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट 'हार्ट ऑफ स्टोन' के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह गैल गैडोट अभिनीत फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में आलिया जासूसी और साइबर वॉरफेयर को एक्सप्लोर करने वाली हाई-ऑक्टेन थ्रिलर में चैलेंजिंग रोल निभाती नजर आएंगी, वह केया धवन की भूमिका में है। दुनिया के सबसे टेलेंटेड और खतरनाक हैकरों में से एक केया धवन के उनके किरदार से ग्लोबल ऑडियंस को आकर्षित करने और इंटरनेशनल टेलेंट के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद है।

'ओएमजी 2' के लिए उत्साहित हूं: यामी

एक्ट्रेस यामी गौतम, अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'ओएमजी 2' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि महामारी के बाद उनकी यह पहली फिल्म है।

यामी को 'लॉस्ट', 'ए थर्सडे', 'चोर निकल के भागा' में देखा गया था और अब उनकी अपकमिंग फिल्म 'ओएमजी 2' बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। महामारी की चपेट में आने से पहले, एक्ट्रेस ने 'बाला', 'काबिल', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी बड़ी हिट फिल्मों में काम किया था। एक्ट्रेस ने कहा, 3 साल के बाद थियेट्रिकल रिलीज होने पर वास्तव में खुशी महसूस हो रही है।

अपने माता-पिता को सपोर्ट सिस्टम मानते हैं अभिषेक

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी मां जया बच्चन और पिता अमिताभ बच्चन को सपोर्ट सिस्टम मानते हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का प्रसिद्ध डांस रियलिटी शो, इंडियाज बेस्ट डांसर 3 'आज़ादी की कहानी' विशेष एपिसोड के साथ बहुत धूमधाम से भारतीय स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ का भव्य उत्सव मनाने के लिए तैयार है। प्रतियोगी अपने कोरियोग्राफ़र्स के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाले डांस एक्ट के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उनकी कहानियों को जीवंत करेंगे। इस विशेष एपिसोड में 'घूमर' की स्टार कास्ट अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर शामिल होंगी। प्रतिष्ठित सिंगर, महालक्ष्मी अय्यर, कविता सेठ, शान, बिक्रम घोष और हरिहरन अपनी उपस्थिति से शो की शोभा बढ़ाएंगे, जो अपने आगामी गीत 'ये देश' को प्रमोट करने के लिए आएंगे।

प्रतियोगी अक्षय पाल का अपने नए कोरियोग्राफ़र सुभ्रनील पॉल के साथ का परफॉर्मेंस, एपिसोड में असाधारण पलों में से एक था। दोनों ने भारत के इतिहास को दर्शाते हुए एक शक्तिशाली डांस परफॉर्मेंस दिया और ब्रिटिश औपनिवेशिक युग के दौरान किसानों के संघर्ष को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। उनके एक्ट में सुल्तान, चक दे इंडिया और फिल्म लगान के गाने मितवा के ज़रिए किसानों के अधिकारों के लिए महात्मा गांधी की अटूट लड़ाई को भी दर्शाया गया। उनके भावनात्मक और प्रभावशाली प्रदर्शन की जजों के सम्मानित पैनल ने दिल से प्रशंसा की। अभिषेक बच्चन ने तारीफ करते हुये कहा, अविश्वसनीय! आपने जो कहानी प्रदर्शित की है, वह आपके डांस मूव्स के साथ मिलकर शानदार बन गई है। ऐसा नहीं लगता कि आप लोग पहली बार एक साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि आप अरसे से एक साथ डांस कर रहे हैं। यह अक्षय के लिए भी तारीफ है क्योंकि टीम के सफल होने के लिए टीम वर्क महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि आपका रिश्ता अच्छा रहेगा, और मेरी कामना है कि आपके सभी प्रयास सफल हों।

विचार पेज का शेष

तीन फ़ीसदी आबादी नशे से ग्रसित!

पंजाब सरकार की ओर से नशा रोकने को लेकर कहा गया है कि हर 10 किलोमीटर में एक नशा मुक्ति केंद्र स्थापित होगा। अभी फिलहाल राज्य में 208 नशा मुक्ति केंद्र हैं, जबकि 16 सेंटर जेलों में चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि गृह विभाग ने स्वास्थ्य विभाग को नशा मुक्ति केंद्रों को बढ़ाने के लिए कहा है, जिससे स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि जल्द ही पंजाब में नशा तस्करों के खिलाफ पंजाब पुलिस बड़ा अभियान चला सकती है।

हालांकि ये सब सरकारी दावे हैं, और कागजों पर सजाए गए सरकारी शब्द हैं। लेकिन ज़मीनी हक़ीकत अब भी पुरानी ही है।वैसे अक्सर ये देखा गया है कि पंजाब में नशा खत्म करने पर कायदे से काम करने के बजाय इस पर राजनीति की गई है, आप मौजूदा वक्त की सरकार आम आदमी पार्टी को ही देख सकते हैं, जहां 2022 में विधानसभा चुनाव हुए तब पार्टी ने कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया और ये दावा किया कि नशे को खत्म कर देंगे, नशा बेचने वालों को जेल में डालेंगे, युवाओं को सशक्त करेंगे। लेकिन आज हालात ये हैं कि नशा को लेकर जब उनसे सवाल किए जाते हैं तब चुप्पी साध लेते हैं।आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस का हाल भी यही रहा है, साल 2017 में केप्टन अमरिंदर सिंह चुनावी सभाएं करते थे, तब किसानों को कर्ज से और युवाओं को नशे से मुक्त कराने की बात करते थे। लेकिन सरकार बन जाने के बाद वहां भी महज़ नशे पर राजनीति होती रही है। हां, ये ज़रूर कहा जा सकता है कि सरकारें टीम बनाती हैं और नशा करने वालों को जबरन नशा मुक्ति केंद्र पहुंचाया जाता है, लेकिन इन केंद्रों पर मौजूद डॉक्टरों का मानना है कि अगर नशा करने वालों को ज़बरदस्ती केंद्रों पर लाया जाएगा तो मामला सुधरने वाला नहीं है। नशा खत्म करने और छोड़ने के लिए इच्छा शक्ति होनी चाहिए। यानी डॉक्टरों की इस बात को मानें तो नेताओं को नशे की इस बीमारी का राजनीतिकरण करने की बजाय बहुत रणनीतियों के साथ मैदान में उतरना होगा। *(साभार- न्यूजक्लिक.इन)*

मणिपुर पुलिस बनाम असम राइफ़ल्स का मामला क्या?

भारतीय सेना ने ये भी कहा है कि वो और असम राइफ़ल्स मणिपुर के लोगों को आश्वस्त करते हैं कि वो पहले से ही अस्थिर माहौल में हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी प्रयास को रोकने के लिए अपने कार्यों में दृढ़ बने रहेंगे।

असम राइफ़ल्स के ख़िलाफ़ बढ़ती नाराज़गी

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रही जातीय हिंसा में अब तक 152 लोगों की मौत हो चुकी है।क़रीब 60,000 लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं। इनमें से कुछ राज्य छोड़कर चले गए हैं और हज़ारों लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।हज़ारों की संख्या में भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों को मणिपुर में तैनात किया गया है। लेकिन असम राइफ़ल्स एक ऐसा बल है जो पिछले कई वर्षों से मणिपुर के कई इलाक़ों, ख़ासकर पहाड़ी और म्यांमार से लगती सीमा के इलाक़ों पर तैनात है।

पहाड़ी और सीमा से लगते इलाक़े कुकी बाहुल्य वाले हैं और इसी बात को आधार बना कर बार-बार ये इल्ज़ाम लगाया जाता रहा है कि असम राइफ़ल्स और कुकी समुदाय में घनिष्ठता है।11 जुलाई को मणिपुर के 31 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कहा कि असम राइफ़ल्स की 9वीं, 22वीं और 37वीं को राज्य से हटा दिया जाए और ऐसे दूसरे केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए जो राज्य की एकता को बढ़ावा देने की ओर ज़्यादा इच्छुक हैं। इन विधायकों का ये भी कहना था कि असम राइफ़ल्स की कुछ इकाइयों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं को लेकर चिंताएं हैं जो वर्तमान में राज्य के भीतर एकता के लिए ख़तरा पैदा करती हैं।सात अगस्त को मणिपुर की भारतीय जनता पार्टी इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे एक ज्ञापन में कहा कि राज्य में शांति बनाए रखने में असम राइफ़ल्स की भूमिका की काफ़ी आलोचना हो रही है और सार्वजनिक आक्रोश देखने को मिल रहा है।

इस ज्ञापन में कहा गया कि असम राइफ़ल्स निष्पक्षता बनाये रखने में असफल रही और जनता ये आरोप लगा रही है कि उनकी भूमिका पक्षपातपूर्ण है जिसमें वो एक समुदाय का समर्थन कर रहे हैं।

मणिपुर भाजपा ने प्रधानमंत्री से गुहार लगाई है कि जनहित में असम राइफ़ल्स को हटाकर किसी अन्य अर्धसैनिक बल को स्थाई रूप से मणिपुर में तैनात किया जाए।

बहुरंग

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल टीजर रिलीज

बॉलीवुड फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की आने वाली फिल्म 12वीं फेल का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म 12वीं फेल लाखों भारतीयों से प्रेरित एक वास्तविक शक्तिशाली कहानी पर आधारित है। फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में विक्रांत एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे जिसमें कड़ी मेहनत और लगन से सफलता हासिल करने का जज्बा झलकता है।12वीं फेल स्टूडेंट लाइफ पर आधारित होगी। फिल्म में उन छात्रों की कहानी दिखाई जाएगी, जो आईएएस और आईपीएस बनने की इच्छा लिए दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं। इस फिल्म की शूटिंग को चंबल, आगरा, दिल्ली के मुखर्जी नगर, मसूरी और मुंबई जैसी लोकेशन पर फिल्माया गया है। 12वीं फेल की कहानी दिल्ली के मुखर्जी नगर से शुरू होती है, जहां हजारों बच्चे आईएएस और आईपीएस की तैयारी करते हुए नजर आते हैं। 12वीं फेल, अनुराग पाठक की लिखी इसी नाम के सबसे ज्यादा बिकने वाले नॉवेल पर बेस्ड है।

दिलचस्प

धर्मेन्द्र ने सोशल मीडिया पर शेयर किया गाने का वीडियो

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेन्द्र ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह मैंने पूछा चांद से देखा हैं कहीं...' गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र हाल ही में प्रदर्शित फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए थे। धर्मेन्द्र सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव रहते हैं। धर्मेंद्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं।धर्मेंद्र ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह फिल्मी गाने के साथ खुद भी गाते नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में धर्मेंद्र फिल्म 'अब्दुल्ला' का गाना 'मैंने पूछा चांद से देखा हैं कहीं...' गाते हुए नजर आ रहे हैं। धर्मेंद्र ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, 'दोस्तों, खुद को खुश रखने के लिए और आप सभी का मनोरंजन करने के लिए। सुखी स्वस्थ जीवन जीने का यही जीवंत तरीका है। धर्मेंद्र के इस वीडियो को उनके फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं।

शूटिंग के दौरान फर्श पर गिरीं नुसरत भरुचा

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा, जो अपनी अपकमिंग रिलीज 'अकेली' की तैयारी कर रही हैं, ने एक घटना के बारे में बताया जब वह घायल हो गई थीं। वह फिल्म में भागने के सीन की शूटिंग के दौरान संगमरमर के फर्श पर जोर से गिरी। गिरने के चलते उन्हें काफी दर्द हुआ, वह वहीं पर अपना सिर पकड़कर लगभग आधे घंटे तक रोती रही। डॉक्टर ने जांच करने के बाद नुसरत को कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी है, जिसके बाद उन्होंने शूटिंग फिर से शुरू कर दी।

नुसरत ने कहाः हम उस सीन की शूटिंग कर रहे थे जहां मैं आईएसआईएस की कैद से भागने की कोशिश करती हूं। मैं दौड़ते वक्त फर्श पर गिर गई और दर्द इतना तेज था कि मुझे लगा कि गंभीर चोट आई है, आंतरिक रूप से चोट आई है। एक्ट्रेस ने साझा किया कि इम्पेक्ट इतना बुरा था कि एक मिनट के लिए उन्हें लगा कि वह मरने वाली हैं और ऐसा लगा कि यह उनका आखिरी पल है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे कुछ दिनों के लिए आराम करने की सलाह दी गई थी और मैं शूटिंग पर वापस आने के लिए इंतजार कर रही थी। 'अकेली' वास्तव में शानदार अनुभव है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। प्रणय मेश्राम द्वारा निर्देशित 'अकेली' युवा महिला की आजादी की कहानी से संबंधित है। फिल्म का निर्माण निनाद वैद्य, नितिन वैद्य, अपर्णा पडगांवकर, शशांत शाह और दशमी स्टूडियोज के विक्की सिदाना द्वारा किया गया है, और यह 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कांग्रेस ने निकाली विशाल 'परिवर्तन यात्रा'

महगांई ने जनता की कमर तोड दी हैः विधायक डॉ.सिकरवार, सरकार महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। भाजपा के राज में विकास का पहिया थम गया है, सिर्फ झूठी घोषणायें करना भाजपा की आदत में शुमार है। आज-कल जितनी घोषणायें हो रही है, उनके लिये न कोई बजट बनाया गया है और न कोई धरातल पर कार्य नजर आ रहा है। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है। सरकार के मंत्री मंहगाई ,बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर बात नहीं कर रहे हैं।सरकार इन मुद्दों पर मोन है। सिर्फ झूंठ परोस रही हैं। इन यह विचार आज 16 ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने 'परिवर्तन रैली' के दौरान आम जन से चर्चा करते हुये व्यक्त किए । आज शाम 5 बजे विवेकानंद चौराहा थाठीपुर पर कांग्रेस पार्टी के जिला पदाधिकारीगण, ब्लॉक अध्यक्षगण, पार्षद, पूर्व पार्षद, मण्डल एवं सेक्टर अध्यक्षगण, बी.एल.ए गण एवं सैक?ो कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुये और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'परिवर्तन यात्रा' बृहद स्तर पर शुरू हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लेकर चल रहे थे। परिवर्तन यात्रा विवेकानंद चौराहा थाठीपुर से प्रारम्भ होकर मयूर मार्केट, चौहान प्याऊ, कुम्हरपुरा एवं मुरार नदी पर समापन किया और

व्यापारियों एवं जनता से सीधे संपर्क किया। यात्रा के दौरान जगह-जगह विधायक डॉ. सिकरवार का व्यापारीगण एवं आमजनों द्वारा पुष्पहार पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। परिवर्तन यात्रा के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने आमजन से चर्चा करते हुये कहा कि भाजपा सरकार लगातार गरीबों का हक छीनने का काम कर रही है। महंगाई, बैरोजगारी, बिजली की समस्या, व्यापारियों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है। डीजल-पेट्रोल एवं रसोई गैस के दामों में हो रही मूल्य वृद्वि ने आमलोगों का जीना मुशकिल कर दिया है। उन्होने कहा कि सत्ता रूढ भाजपा विकास में बाधक बन रही है और कांग्रेस पार्टी की रिति-नीति जनता के सुख-दुखः में हमेशा साथ खड़े रहना है और आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता परिवर्तन चाहती है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी की सरकार ही जनता की समस्याओं को महसूस कर उन्हे दूर कर सकती है। परिवर्तन यात्रा में प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, एम.आई.सी के प्रभारी सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, महादेव अपोरिया, देवेन्द्र चौहान, अनूप शिवहरे, पार्षद केदार बरहादिया, प्रमोद खरे, सत्यभान चौहान, संतोष शर्मा, श्रीमती सीमा समाधिया, वीणा भारद्वाज, सुनीता तोमर, भारती मित्तल, शोभाराम भाहौर, डॉ. कमलेश इंदौरिया, रामअवतार जाटव, विजय मौर्य, हरेन्द्र नागर, सुनील चंद्रवंशी, आदित्य सेंगर, अशविनी अगरैया, महेन्द्र चौकोटिया, जसवंत शेजवार, गंगा राठौर, रामहेत अर्गल, गौरव मिगेश, भगवान दास आदि मौजूद रहे।

गंगा मदन सिंह शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति की और से एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। गंगा मदन सिंह शिक्षा समिति द्वारा,नारी कल्याण उद्योग सहकारी संस्था खासगी बाजार बाडा के सहयोग से निशुल्क एक्यूप्रेशर उपचार एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है,उक्त जानकारी देते हुए गंगा मदन सिंह शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति के संस्थापक सचिव प्रदीप सिंह ने बताया कि एक्यूप्रेशर चिकित्सा द्वारा लोगों का असाध्य रोगो का बिना दबा के उपचार किया जाता है एक्यूप्रेशर द्वारा बिना किसी दवा के डायबिटीज, ब्लड प्रेशर,गठिया दमा, सर्वाइकल, लम्बर, कमर, घुटने का दर्द, मोटापा, पथरी, लकवा मिगीं, अनिंद्रा, डिप्रेशन हार्ट डिजीज किडनी के महिलाओं पुरुषों की समस्त रोग बच्चों की लंबाई में भरना तथा अन्य समस्त विकारों का सफल इलाज किया जाता है। देश के एकमात्र एक्यूप्रेशर शोध संस्थान एसपस प्रयागराज के विद्वान द्वारा उपचार, एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है, प्रयागराज संस्थान के विद्वान प्रशिक्षण श्री सुरेंद्र सिंह एवं व्याख्याता अजीत कुमार जैन एवं अनौपचारिक सुश्री पूनम गुप्ता श्रीमती ममता कुशवाहा श्रीमती सुशील भदौरिया आदि उपस्थित होकर मरीजों का उपचार कर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

मंत्रिमण्डल की बैठक में मऊगंज जिले के गठन तथा विभिन्न पदों को मिली मंजूरी

मंत्रिमण्डल ने कलेक्टर सहित राजस्व विभाग के विभिन्न पदों को दी मंजूरी

विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की बैठक समत्व भवन में आयोजित की गई। बैठक में नवगठित मऊगंज जिले के गठन को मंजूरी दी गई। नवगठित जिले में मऊगंज, हनुमना और नईग़ी तहसीलों को शामिल किया गया है। इसके बाद रीवा जिले में 9 तहसीलें शेष रहेंगी। बैठक में नवगठित मऊगंज जिले के लिए कलेक्टर के एक पद, अपर कलेक्टर के एक पद तथा संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर के पाँच पदों को मंजूरी दी गई। बैठक में प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा के आधार पर सहायक लेखा अधिकारी के एक पद को मंजूरी दी गई। बैठक में अधीक्षक के एक पद, सहायक अधीक्षक के दो पद, ऑडिटर के एक पद, निज सहायक के एक पद, स्टेनोग्राफर के एक पद, सहायक ग्रेड दो के 13 पदों, सहायक ग्रेड तीन के 25 पदों, स्टेनो टायपिस्ट के तीन पदों, कम्प्यूटर के ऑपरेटर के तीन पदों, वाहन चालक के 6 पदों, जमादार के एक पद तथा भृत्य 31 पदों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री किसान कल्याण निधि के पात्र किसानों को 6 हजार रुपए हर वर्ष देने की मंजूरी दी गई। बैठक में ग्राम पंचायत सचिवों को सातवें वेतनमान का लाभ देने का निर्णय लिया गया। इस पर 178 करो? 88 लाख रुपए व्यय होंगे। बैठक में प्रदेश में 53 सीएम राइज स्कूलों तथा 19 कन्या शिक्षा परिसरों के निर्माण के लिए 2491.91 करो? रुपए की मंजूरी दी गई। बैठक में शासकीय स्कूलों की कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों के गणवेश स्वसहायता समूहों के माध्यम से प्रदान करने के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्णय का अनुमोदन किया गया।

गुरुवार शुक्रवार की रात्रि गस्त के दौरान एक 315 बोर की राइफल व जिंदा कारतूस के साथ युवक दबोचा

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

पुलिस अधीक्षक भिंड मनीष खत्री द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई करने हेतु निर्देश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक एवं अनुविभागीय अधिकारी सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में मालनपुर थाना निरीक्षक डॉक्टर संतोष यादव थाना टीम द्वारा एक आरोपी को ताऊजी ढाबा के पीछे नहर के रास्ता मालनपुर पर एक 315 बोर की राइफल 315 बोर के जिंदा राउंड के साथ तथा एक मोटरसाइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस एम पी 30 एम डी 6696 के साथ धर दबोचा घटना का विवरण घटना का विवरण 11/8/2023 दौराने रात्रि में एक लड़का अवैध 315 बोर की राइफल कंधे पर टंगे हुए था व 315 बोर के जिंदा राउंड एवं एक मोटरसाइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर से ताऊजी ढाबा के पीछे नहर के पास पुलिया पर खड़ा था पुलिस को देखकर भाग जैसे तो हमराही पुलिस बल पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा उक्त कार्रवाई में निरीक्षक डॉक्टर संतोष यादव, थाना प्रभारी मालनपुर उपनिरीक्षक बलवंत सिंह यादव, प्रधान आरक्षक राघवेंद्र शुक्ला, आरक्षक दीपेंद्र गुर्जर, आरक्षक गजेंद्र सिंह सिकरवार, आरक्षक रामबरन, आरक्षक आदित्य गुर्जर, आरक्षक अतुल पांडे, आरक्षक पंकज तोमर,की सहरानीय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 559 करोड़ 37 लाख 20 हजार रूपये लागत के कुल 367 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान और केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

भिण्ड जिले की तहसील लहार में लाडली बहना योजना के सम्मेलन में लहार तहसील के साथ भिंड जिले में 559 करोड़ 37 लाख 20 हजार रूपये लागत के कुल 367 विकास कार्यों का ने ई लोकार्पण के माध्यम से बटन दबाकर 421 करोड़ 96 लाख 80 हजार लागत के 336 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 137 करोड़ 40 लाख 4 हजार लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण के 71 करोड़ 55 लाख लागत के 3 विकास कार्यों, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के 70 करोड़ 04 लाख लागत के 2 सीएम राईज स्कूल, लोक निर्माण विभाग पीआईयू के 17 करोड़ 79 लाख लागत के 6 विकास कार्यों, म.प्र. ग्रह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के 1 करोड़ 7 लाख लागत का शौर्य स्मारक एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 261 करोड़ 51 लाख 80 हजार लागत के 324 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण के 26 करोड़ 58 लाख लागत के 5 विकास कार्यों, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के 43 करोड़ 75 लाख लागत के 2 विकास कार्यों, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन के 27 करोड़ 7 लाख लागत के 5 विकास कार्यों, लोक निर्माण विभाग के 31 करोड़ 72 लाख लागत के 11 विकास कार्यों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 8 करोड़ 28 लाख 4 हजार लागत के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

भारतीय मजदूर संघ के द्वारा प्रदेश में चालक परिचालकों की 29 गंभीर मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। भारतीय ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ मध्यप्देश के अध्यक्ष योगेश शर्मा से प्रात विज्ञप्ति अनुसार दिनांक 10 अगस्त गुरुवार को शिरोल पहाड़ी पर स्थित परिवहन आयुक्त को भारतीय प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ मध्य प्रदेश के अध्यक्ष योगेश कुमार शर्मा जी संबंध भारतीय मजदूर संघ के द्वारा प्रदेश में चालक परिचालकों की 29 गंभीर मांगों को लेकर आज ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें सम्माननीय परिवहनआयुक्त मध्यप्रदेश के द्वारा अनुशासन दिया गया है कि चालक परिचालकों के हित में जो न्याय संगत उचित फैसला जल्दी से जल्दीकिया जाएगा ज्ञापन में उपस्थित जिला ग्वालियर एवं दतिया के विभाग प्रमुख श्रीमान भू दयालपाठक जी भारतीय ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ के प्रदेशअध्यक्ष योगेश कुमार शर्मा जी प्रदेश मंत्री राकेश शर्मा जी , जिला अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा जी पेंशनर के जिला मंत्रीश्री केसी शर्मा राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र योगी जी स्मार्ट सिटी ई रिक्शा संघ के अध्यक्ष राम लखन झा जी कोषाध्यक्ष घनश्याम तोमर जी संगठन मंत्री बालक दास जी वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला जी ऑटो चालक अशोक शुक्ला जी उपाध्यक्ष रामरतन जी ऑटो चालक राकेश राठौर जी स्कूल बेन चालक सत्येंद्र जी बेन चालक विकी शुक्ला जी ऑटो चालक दिनेश शर्मा जी ऑटो चालक जगदीश प्रजापति ऑटो चालक सर्वेश शर्मा जी विक्रम चालक कल्लू यादव विक्रम चालक सोनू जाटव जी और सैकड़ो चालक परिचालक उपस्थित रहे।

लहार रोड़ शो में उमड़ा जन शैलाब पुष्प वर्षा कर किया आत्मीय स्वागत

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का शुक्रवार को तहसील लहार में रोड़ शो में सड़कों के दोनों

ओर मौजूद अपार जन समूह के साथ लोगों ने अपने घरों की छत से पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। लहार की सड़कों एवम चौराहों पर लाड़ली बहने ÷धन्यवाद शिवराज भैया÷ पुष्प वर्षा कर रहीं थी। मुख्यमंत्री ने रोड़ शो के बीच वाहन को रोककर जनता से आवेदन भी लिये और हाथ भी मिलाया। एक सात साल की लाड़ली भांजी पूर्वी गुप्ता ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। उन्होंने रोड-शो के मार्ग में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण भी किया। जनदर्शन यात्रा में लाड़ली बहन श्रीमती मनोकामना झा, श्रीमती शांति देवी, श्रीमती सीता ओझा, श्रीमती महादेवी झा, श्रीमती शारदा झा, श्रीमती लक्ष्मी झा ने अपने लाड़ले भैया मुख्यमंत्री श्री चौहान को राखी बांधकर आशीर्वाद दिया। रोड़ शो अंतर्गत अतिथि शिक्षकों, स्वसहायता समूह की महिलाओं, सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोड़ शो के दौरान उपस्थित अतिथि शिक्षकों से जल्दी ही भोपाल बुलाने की बात कही।

परिवार का रिश्ता बताने वाले कितनी बार लहार आयेः डॉ गोविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड पुष्पांजली टुडे

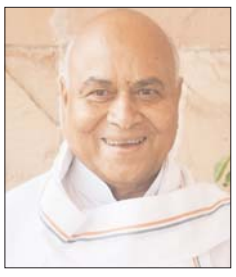

भोपाल। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने कहा है कि लहार के भटनताल पर सरकारी तंत्र से जुटाई गई जिले भर की व अन्य जिलों की भीड़ में सिंधिया जी लहार से अपना पारिवारिक रिश्ता बता रहे थे,वे लहार क्षेत्र की जनता के दुःख दर्द में कितनी बार लहार में आये ,ये बता दें।एक बार वे कॉंग्रेस के कार्यक्रम में आये थे और दूसरी बार दल बदल के बाद आये हैं।मोरा तो जन्मस्थान है सिंधिया जी का यहाँ क्या है।डॉ सिंह ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई इसी क्षेत्र के मिलेना लेकर कालपी से आई थी उन रानी के साथ किसने क्या किया, यह बार बार बताने की जरूरत नही है। लहार क्षेत्र की जनता के दिल पर हाथ रखवा कर जो लोग हाथ उठवा रहे थे वे अपने दिल पर हाथ रख कर देख लें कि उन्होंने अपने पिता की पार्टी के साथ ही गद्दारी कर दी सात बार जिताने का श्रेय लहार की जनता को है जो लगातार मुझ पर भरोसा कर रही है।जनता के जनादेश से सात बार चुने जाने पर जिस तरह की बातें की गई उससे लहार क्षेत्र की जनता का अपमान है।मंच से जो नेता दहाड़ रहे थे वे चुने हुये जनप्रतिनिधि का नही वरन लहार की जनता का अपमान कर रहे थे।वहीं मुख्यमंत्री की दम भरी भाषा यह बता रही थी कि लगातार जीतने की उन्हें कितनी कसक है । वे मुख्यमंत्री हैं और मैं विधायक।वे विकास में लहार की तुलना बुधनी से कर लें, साथ ही वे यह भी बता दें कि भाजपा में भी सात बार व आठ बार के विधायक है, वे भी जनता के जनादेश से जीत रहे हैं।

मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर की मासिक 'इंगित काव्य गोष्ठी'का आयोजन आज

महेन्द्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा, दौलत गंज लश्कर, ग्वालियर की मासिक इंगित काव्यगोष्ठी आज दिनांक 12-08-2023 को सायंकाल 5ः00बजे से सभा भवन दौलत गंज, लश्कर, ग्वालियर मे आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री दिलीप मिश्रा करेंगे, मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार श्री राजवीर खुराना ,डबरा मंचासीन रहेंगे। साहित्य सभा के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. लोकेश तिवारी, पुस्तकालय मंत्री, साहित्य सभा मंचासीन रहेंगे। इस अवसर पर मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर के पदाधिकारीगण व नगर के कवि एवं साहित्यकार सभा भवन में सादर आमंत्रित हैं। काव्यगोष्ठी में राष्ट्रीय भाव बोध, श्रावण मास, रक्षा बंधन सहित सामयिक विषयों पर आधारित मौलिक रचनाओं की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम डॉ कुमार संजीव सभा अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रामचरण रुचिर ने कार्यक्रम में सभी साहित्यकारों एवं साहित्य सभा के सदस्यों से आवश्यक रूप में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। उन्होंने सभी सम्मानीय साहित्य साधकों/कवि एवं कवियत्रियों से विनम्र निवेदन किया है, कि कृपया सभा भवन दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर में आवश्यक रूप से सायंकाल 5.00 बजे से 5 मिनट पूर्व उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता करने हेतु अवश्य पधारें ।

कलेक्टर ने 5 अपराधियों को एक साल के लिए जिला बदर के दिए आदेश

कलेक्टर ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त 19 व्यक्तियों पर की कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजलि टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने 19 आदतन अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की है। इनमें से 5 अपराधियों को एक साल के लिए जिला बदर के आदेश दिए गए हैं। शेष 14 अपराधियों को एक साल तक थाने में हर 15 दिन में हाजिरी देने के आदेश दिए गए हैं। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त रहने पर यह कार्यवाही मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत की गई है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने, लोक शांति बनाए रखने तथा नशे से जुड़े अपराधों पर कठोरता से नियंत्रण के लिए यह कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्यवाही की गई है। इस संबंध में जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार इनमें से 5 अपराधियों को एक वर्ष के लिए जिला बदर तथा 14 आदतन अपराधियों को एक साल की अवधि में प्रत्येक 15 दिवस में थाने में अपनी उपस्थिति देने के आदेश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने मसूर मंसूरी पिता शेख अहमद मंसूरी आयु 19 वर्ष निवासी तरहटी रीवा, सतीश उर्फ छोटू सिंह पिता संतोष सिंह आयु 22 वर्ष निवासी महसुआ, मुकेश उर्फ गोलू तिवारी पिता रामसजीवन तिवारी आयु 26 वर्ष निवासी ग्राम महसांव बरहिया टोला तथा अमित उर्फ जैकी सिंह पिता सुरेन्द्र सिंह आयु 31 वर्ष निवासी ग्राम सलैया के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने विष्णु सिंह उर्फ विष्णुध्वज सिंह पिता शीलध्वज सिंह आयु 26 वर्ष निवासी रायपुर कर्चुलियान, सत्यम पिता संगम कुशवाहा आयु 21 वर्ष निवासी ग्राम बैजनाथ तथा दीपू उर्फ दीपक सिंह पटेल पिता कौशल सिंह पटेल आयु 27 वर्ष निवासी ग्राम बाबा की बरौली जवा को एक साल की अवधि में प्रत्येक 15 दिवस में थाने में अपनी उपस्थिति देने के आदेश दिए गए हैं। कलेक्टर ने रामसुख बंसल पिता छेदीलाल बंसल आयु 33 वर्ष निवासी नरसिंहपुर गोविंदगढ़, अवनीश उर्फ मोनू जायसवाल पिता बाल्मीकि जायसवाल आयु 27 वर्ष निवासी ग्राम कांटी, निखिल तिवारी उर्फ अनुज पिता रामलाल तिवारी आयु 20 वर्ष निवासी चोरहटा, अंकित सिंह पिता तेजभान सिंह आयु 21 वर्ष निवासी ग्राम बरहदी, शुभांकर मिश्रा उर्फ प्रिंस उर्फ कक्का पिता संतोष मिश्रा निवासी ग्राम भटवा वर्तमान निवास अनंतपुर रीवा, रेशु सिंह पिता हरिकरण सिंह, आयु 27 वर्ष निवासी दुलहरा तथा प्रदीप मिश्रा पिता राजेश मिश्रा आयु 24 वर्ष निवासी ग्राम बरौली ठकुरान जवा को एक साल की अवधि में प्रत्येक 15 दिवस में थाने में अपनी उपस्थिति देने के आदेश दिए गए हैं। कलेक्टर ने देवी प्रसाद उर्फ बदुनका पिता शोभलाल सिंह आयु 46 वर्ष निवासी ग्राम चौखण्डा जनेह, विकट बहादुर सिंह पिता योगराज सिंह आयु 38 वर्ष निवासी पथरौड़ा कला, राघवेन्द्र उर्फ ननकू सिंह पिता इन्द्रबहादुर सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम उंचेहरा, संजय सिंह पिता विजयराज सिंह आयु 40 वर्ष निवासी ग्राम डिहिया तथा सत्यम तिवारी उर्फ सत्यम मोराई पिता धनेश्वर तिवारी आयु 23 वर्ष निवासी अनंतपुर रीवा को सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति के बाद ही इन्हें जिले की राजस्व सीमाओं में प्रवेश मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478